दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर ■ वर्ष : 2 ■ अंक : 25 | ग्वालियर, शनिवार 22 अक्टूबर 2022 | पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री केदारनाथ में किया रुद्राभिषेक

नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनने के बाद 6वीं बार पहुंचे बाबा केदार के धाम प्रधानमंत्री ने श्री केदारनाथ में श्रद्धालुओं को दी बड़ी सौगात

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को श्री केदारनाथ धाम में रुद्राभिषेक कर सबकी सुख एवं समृद्धि की कामना की। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनने के बाद 6वीं बार बाबा केदार के धाम पहुंचे। उन्होंने आदिगुरु शंकराचार्य की समाधि स्थल पर पहुंचकर दर्शन किए। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर गौरीकुंड से केदारनाथ के लिए रोपवे का शिलान्यास किया। 1267 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले 9.7 किमी. के इस रोपवे के बनने से श्रद्धालुओं को बाबा केदार के दर्शन के लिए सुगमता होगी। गौरीकुंड से श्री केदारनाथ पहुंचने में अभी श्रद्धालुओं को 6 से 7 घंटे लगते हैं, इस रोपवे के बन जाने से यह यात्रा सिर्फ आधा घंटे में पूरी हो जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके बाद मंदाकिनी आस्था पथ एवं सरस्वती आस्था पथ पर जाकर विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने श्री केदारनाथ में चल रहे विभिन्न पुनर्निर्माण एवं विकास कार्यों का जायजा भी लिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री को विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने श्री केदारनाथ में पुनर्निर्माण कार्यों में लगे श्रमजीवियों के साथ बैठकर उनसे मुलाकात की और उनका हौंसला बढ़ाया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, विधायक श्रीमती शैला रानी रावत, मुख्य सचिव डॉ. एसएस संधू, जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग मयूर दीक्षित, एसपी आयुष अग्रवाल, तीर्थ पुरोहित विनोद शुक्ला, लक्ष्मी नारायण, कुबेर नाथ एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

23 अक्टूबर को रामलला के दर्शन कर दीपोत्सव का शुभारम्भ करेंगे पीएम मोदी

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि पूजन के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 23 अक्टूबर को अयोध्या में दूसरी बार आगमन हो रहा है। अयोध्या में दीपोत्सव 2022 के मुख्य अतिथि के रूप में आ रहे प्रधानमंत्री मोदी रामजन्मभूमि में विराजमान रामलला का दर्शन करने के साथ उस ऐतिहासिक मंदिर के निर्माण का भी अवलोकन करने वाले हैं। पीएम मोदी रामलला के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर दीपोत्सव का शुभारम्भ भी करेंगे। पीएम कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार दीपावली की पूर्व संध्या पर, प्रधानमंत्री मोदी 23 अक्टूबर को अयोध्या, यूपी का दौरा करने वाले हैं। प्रधानमंत्री शाम करीब 5 बजे भगवान श्री रामलला विराजमान के दर्शन और पूजा करने के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र स्थल का निरीक्षण करेंगे। शाम करीब 5:45 बजे वे प्रतीकात्मक भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक करेंगे। लगभग 6:30 बजे, प्रधान मंत्री सरयू नदी के न्यू घाट पर आरती देखेंगे, जिसके बाद प्रधान मंत्री द्वारा भव्य दीपोत्सव समारोह की शुरूआत की जाएगी। इस वर्ष, दीपोत्सव का छठा संस्करण आयोजित किया जा रहा है, और यह पहली बार है कि प्रधानमंत्री समारोह में व्यक्तिगत रूप से भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर 15 लाख से अधिक दीये जलाए जाएंगे। दीपोत्सव के दौरान विभिन्न राज्यों के विभिन्न नृत्य रूपों के साथ पांच एनिमेटेड झांकियां और ग्यारह रामलीला झांकियां भी लगाई जाएगी।

आतंकी कृत्यों को जायज ठहराने वाले लोगों के खिलाफ की जाएगी सख्त कार्रवाई : मनोज सिन्हा

जम्मू कश्मीर के उप-राज्यपाल ने बिना नाम लिए फारुख अब्दुल्ला को दी सख्त चेतावनी

जम्मू। जम्मू कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने बिना नाम लिए पूर्व मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग नागरिक हत्याओं जैसे आतंकी कृत्यों को जायज ठहराने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को कानून का सामना करना पड़ेगा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि अगर कोई अपनी बयानबाजी से या कृत्यों से देश की अखंडता के साथ खिलवाड़ करेगा तो देश के कानून के तहत उन पर भी आने वाले दिनों में कार्रवाई की जाएगी। मनोज सिन्हा ने कहा कि कुछ लोग हैं, जो सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे तत्वों पर हमें पैनी नजर रखकर और उनसे सख्ती से निपटने की जरूरत है। कुछ लोग अपने निजी स्वार्थ के लिए निर्दोष नागरिकों की हत्या को सही ठहरा रहे हैं। बता दें कि श्रीनगर से सांसद अब्दुल्ला ने कहा कि यदि जमीनी स्तर पर स्थिति बेहतर हो गई होती तो एक और कश्मीरी पंडित की हत्या नहीं होती। उन्होंने कहा जब तक न्याय नहीं होगा, हत्याएं नहीं रूकेंगी। शोपियां में आतंकवादियों द्वारा कश्मीरी पंडित पूरण कृष्ण भट्ट की हत्या के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने यह बात कही।

खास खबर

टिकट नहीं मिलने से नाराज धर्मशाला से भाजपा विधायक विशाल नेहरिया ने पार्टी से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने 6 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी। इस लिस्ट में टिकट नहीं मिलने से नाराज धर्मशाला से मौजूदा विधायक विशाल नेहरिया ने 150 से अधिक समर्थकों के साथ भाजपा से इस्तीफा दे दिया है। भाजपा ने धर्मशाला विधानसभा सीट से मौजूदा विधायक विशाल नेहरिया की जगह राकेश चौधरी को टिकट दिया है। भाजपा प्रत्याशी राकेश चौधरी ने गुरुवार को धर्मशाला के लिए नामांकन दाखिल कर दिया। राकेश चौधरी ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि वह भाजपा का हिस्सा बनकर खुश हैं, क्योंकि यह एक विशाल संगठन है। उन्होंने कुछ आंतरिक मुद्दों को हल करने पर चर्चा करने के लिए अपने कार्यक्रम के बारे में भी बात की।

इजराइल की गोलीबारी में घायल फलस्तीनी युवक की मौत

गाजा। फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि उसके कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इजराइल की तरफ से की गई गोलीबारी में घायल हुए फलस्तीनी युवक की कुछ ही देर बाद मौत हो गई। इजराइल की तरफ से की जा रही गोलीबारी और फलस्तीनी की ओर से हो रहे हमलों के कारण दोनों ओर तनाव बढ़ गया है। मंत्रालय ने कहा कि 19 वर्षीय युवक की गर्दन पर गोली लगी जबकि तीन अन्य लोग बांह में गोली लगने से घायल हो गए। इजराइली सुरक्षा बलों ने उत्तरी वेस्ट बैंक के निकट एक स्थान जेनिन शरणार्थी शिविर में गिरफ्तारी अभियान चलाया था, तभी यह हिंसा हुई। वेस्ट बैंक हाल में हुई लड़ाई का केंद्र बिंदु रहा है। इजराइली सेना की तरफ से इस बारे में तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई।

अधिकारी सुनिश्चित करें छठ पर्व के दौरान यमुना प्रदूषित न हो : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया है कि छठ पर्व के दौरान यमुना नदी प्रदूषित नहीं हो। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, 'यमुना के घाटों पर पहले की तरह छठ पर्व मनाया जाएगा। सभी अधिकारियों को आदेश दिया गया है कि यमुना प्रदूषित ना हो, यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रबंध किए जाएं।' छठ पर्व 30 और 31 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस पर्व में उगते और डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। यह पर्व दिल्ली में रह रहे पूर्वांचल के लोगों में काफी लोकप्रिय है।

घर में पटाखे फटने के बाद गंभीर रूप से झुलसे तीन और लोगों की मौत

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में पिछले हफ्ते घर में पटाखे फटने के बाद गंभीर रूप से झुलसे तीन और लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया, इसके साथ ही घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर छह हो गई। पुलिस ने बताया कि 12 अक्टूबर को नखरोला गांव में हुई घटना में तीन लोगों की मौत हो गई थी। इसके साथ ही विस्फोट में घायल हुए सभी छह लोगों की मौत हो गई है। पुलिस के मुताबिक तनुज (14) और विष्णुकांत (40) ने दिल्ली के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया, जबकि सतीश (40) की बुधवार रात मौत हो गई थी। पुलिस ने बताया कि इससे पहले 16 अक्टूबर को मकान मालिक भगवान दास उर्फ काला (40), उसके बेटे मनीष (20) और बेटी छवि (10) की मौत हो गई थी। सतीश काला के रिश्तेदार थे।

महबूबा को बंगल खाली करने का मिला नोटिस, कहा कानूनी सलाह लूंगी

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती को उच्च सुरक्षा वाले गुपकर इलाके में अपना सरकारी बंगला खाली करने का नोटिस मिला है।

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा ने बताया कि फेयर व्यू से बेदखल करने का नोटिस मुझे कुछ दिन पहले दिया गया था। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है और उम्मीद के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि हालांकि नोटिस में उल्लेख किया गया है, कि बंगला जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के लिए है, लेकिन ऐसा नहीं है। मुफ्ती ने कहा कि यह स्थान मेरे पिता (मुफ्ती मोहम्मद सईद) को दिसंबर 2005 में आवंटित किया गया था, जब उन्होंने मुख्यमंत्री पद छोड़ दिया था। जानकारी के मुताबिक महबूबा को बंगला खाली करने का नोटिस बीते सप्ताह भेजा गया था। ये नोटिस उन्हें जम्मू कश्मीर के इस्टेट विभाग ने भेजा था। प्रशासन का कहना है कि जम्मू और कश्मीर सार्वजनिक परिसर (अनधिकृत कब्जाधारियों की बेदखली) अधिनियम, 1988, संशोधित अधिनियम, 2016 के तहत भेजा है। इसकारण प्रशासन द्वारा बताया गया आधार सही नहीं हैं। यह पूछने पर कि क्या वह कानून की अदालत में नोटिस को चुनौती देंगी, पीडीपी प्रमुख ने कहा कि वह अपनी कानूनी टीम से सलाह लेंगी। उन्होंने कहा कि मेरे पास ऐसी जगह नहीं है, जहां मैं रह सकूं।

यूपी में अपराधी और माफिया जेल में हैं, यहां फिर एनकाउंटर में ढेर हुए : योगी

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपराध और अपराधियों के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति और पुलिस की सक्रियता का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश में संगठित अपराध समाप्त हो चुका है। इसके बाद अपराधी या जेल में बंद हैं, अथवा गिरफ्तारी के दौरान मारे गए। प्रदेश में महिलाएं-बालिकाएं, कमजोर वर्ग और व्यापारी आज सुकून से हैं। हर पर्व-त्यौहार शांति और सौहार्द के बीच मन रहा है। पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर पुलिस के वीर जवानों के साहस, शौर्य और बलिदान को नमन कर मुख्यमंत्री ने पुलिसकर्मियों को अब तक मिल रहे 200 रूपए साइकल भत्ता को बढ़ाकर 500 रूपए मोटरसाइकल भत्ता देने की घोषणा की, साथ ही, पुलिस विभाग को भी ई-पेंशन पोर्टल की सेवाओं का उपहार दिया। दीवाली से ठीक पहले पुलिस के जवानों के बीच मौजूद मुख्यमंत्री ने पुलिसकर्मियों की सहूलियत को देखते हुए 5,00,000 रूपए से अधिक के चिकित्सा खर्च प्रतिपूर्ति की स्वीकृति पुलिस महानिदेशक स्तर से होने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि अभी तक इसके लिए शासन स्तर पर कार्यवाही होती थी, जिससे अनावश्यक विलंब होता था, अब ऐसा नहीं होगा। रिजर्व पुलिस लाइन, लखनऊ में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने श्रीमद्भगवतगीता में वर्णित हतो वा प्राप्स्यसि स्वर्गजित्वा वा भोक्ष्यसे महीम के महान संदेश का उल्लेख कर कहा कि हमारे वीर जवानों ने गीता से महान प्रेरणा लेकर देश और प्रदेश की बाह्य व आंतरिक सुरक्षा सुदृ रखने के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। आज का दिन उनके इसी निष्ठा के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का है।

सीएम ने कहा कि हमारे पुलिस बल ने विपरीत परिस्थितियों में भी अपना काम जारी रखा है। कोरोना के बीच अभूतपूर्व परिश्रम कर जहां नियमों का पालन किया, वहीं मानवता की मिसाल भी पेश की। कोरोना संक्रमित भी हुए लेकिन सेवापथ नहीं छोड़ा। इस दौरान 45 पुलिसकर्मियों का देहांत भी हुआ, जिनके परिजनों को नियमानुसार नौकरी व 22 करोड़ 50 लाख का भुगतान भी किया गया। यही नहीं, केंद्रीय अर्धसैनिक बलों, भारतीय सेना आदि में सेवारत उत्तर प्रदेश मूल के शहीद 581 जवानों के आश्रितों को 141.9 करोड़ की सहायता राशि दी गई।

चक्रवात सितरंग के कारण पश्चिम बंगाल में 24-25 अक्टूबर को हो सकती भारी बारिश

नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी बारिश का अनुमान

नई दिल्ली। मौसम विभाग के द्वारा जारी अलर्ट के मुताबिक उत्तरी अंडमान सागर के ऊपर और दक्षिण अंडमान सागर और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के आसपास के क्षेत्रों में एक कम दबाव का क्षेत्र बना है। इसके 22 अक्टूबर के आसपास पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। यह 23 अक्टूबर को बंगाल की खाड़ी के ऊपर पहुंच सकता है। इस कम दबाव वाले क्षेत्र के धीरे-धीरे चक्रवाती तूफान के रूप में बदलने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा, इसके बाद 25 अक्टूबर को इसके पूर्वोत्तर की ओर बढ़ने और पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश तटों के पास पहुंचने की संभावना है। राहत की बात है कि आईएमडी ने अभी तक चक्रवात की वजह से भारी बारिश और हवा की गति पर कोई पूर्वानुमान नहीं जारी किया है। इस चक्रवात का नाम सितरंग दिया गया है। छह मौसम विज्ञान केंद्र के समूह आरएसएमसी और पांच क्षेत्रीय उष्णकटिबंधीय चक्रवात चेतावनी केंद्रों टीसीडब्ल्यूसी ने मिलकर चक्रवात को यह नाम दिया है। इस पैनल के तहत 13 सदस्य देश आते हैं। साइक्लोन को लेकर यह पैनल एडवाइजरी जारी करता है। इसमें भारत, बांग्लादेश, ईरान, मालदीव, म्यांमार, ओमान, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब, श्रीलंका, थाईलैंड, संयुक्त अरब अमीरात और यमन शामिल है। इस चक्रवाती तूफान का नाम सितरंग थाईलैंड के द्वारा सुझाया गया है। 24-25 अक्टूबर को ओडिशा में छिटपुट भारी का पूर्वानुमान लगाया गया है। वहीं, पश्चिम बंगाल में 24-25 अक्टूबर को भारी बारिश हो सकती है। 26 अक्टूबर को भी अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।

गृह मंत्री शाह बोले- जम्मू-कश्मीर में बेहतर हुए हालात, पत्थरबाज अब बने 'पंच' और 'सरपंच'

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के बदले हालातों को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह काफी आशान्वित है और उन्होंने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले आठ वर्षों में पूर्वोत्तर राज्यों, जम्मू-कश्मीर और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा स्थिति में सुधार हुआ है। शाह ने 'राष्ट्रीय पुलिस स्मृति दिवस' के मौके पर यहां चाणक्यपुरी क्षेत्र में राष्ट्रीय पुलिस स्मारक में शीर्ष पुलिस और अर्धसैनिक बलों के कमांडरों को संबोधित करते हुए कहा, 'पूर्वोत्तर में, हमने सशस्त्र बलों (अफस्पा के तहत) को दी गई विशेष शक्तियों को वापस ले लिया है और इसके बजाय वहां के युवाओं को विशेष अधिकार दिए हैं जिसके परिणामस्वरूप इन क्षेत्रों में हिंसा 70 प्रतिशत तक कम हुई है।' उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के हालात ऐसे हैं कि जो पहले सुरक्षाकर्मियों पर पत्थर फेंकते थे, वे अब 'पंच' और 'सरपंच' बन गए हैं। उन्होंने कहा कि वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से प्रभावित राज्यों में एकलव्य स्कूलों में राष्ट्रगान गाया जा रहा है और उनकी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है। शाह ने कहा कि देशभर में पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों के बलिदान की वजह से ही भारत विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। इन कर्मियों को श्रद्धांजलि देते हुए शाह ने कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान इन्होंने अग्रिम भूमिका निभाई। 'पुलिस स्मृति दिवस', लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स इलाके में 1959 में चीन के आक्रमण की जवाबी कार्रवाई के दौरान जान गंवाने वाले केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 10 जवानों की याद में मनाया जाता है। गृह मंत्री ने आगे कहा कि 'आज हमारा देश हर दिशा में प्रगति करता हुआ दिखाई दे रहा है। देशभर की पुलिस फोर्स और सीएपीएफ के 35,000 से ज्यादा जवानों ने देश की आंतरिक सुरक्षा और देश की सीमाओं की रक्षा करने के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। उनके बलिदानों को याद करके पूरा देश कृतज्ञ है।' उन्होंने आगे कहा कि 'देश के अधिकांश आतंक प्रभावित हॉटस्पॉट आज शांति की ओर अग्रसर हैं।

वरुण गांधी का योगी सरकार पर हमला, शायद हवाई निरीक्षण से जमीनी मुद्दे नहीं दिखते

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी आए दिन अपनी ही योगी सरकार पर हमलावार दिखते हैं। फिर उन्होंने यूपी पेट की परीक्षा को लेकर बीजेपी सरकार पर हमला किया है। वरुण गांधी ने अपने संबोधन के दौरान उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से प्रारंभिक पात्रता परीक्षा का आयोजन को लेकर कहा कि छात्र साल भर जी लगाकर पढ़ाई करते हैं, तैयारी करते हैं कि इस बार एग्जाम में बेहतरीन कर के आएंगे, लेकिन बाढ़ के चलते देश में 35 लाख में से 16 लाख छात्र परीक्षा देने से वंचित रह गए।

वरुण ने इसका जिम्मेदार सरकार को ठहराया है। उन्होंने सरकार पर हमला बोलकर कहा कि क्या आपको पता है कि पिछले 5 सालों में जो रोजगार दिया गया उसमें 80 फीसदी रोजगार सविंदा पर दिया गया है। इस देश में कोई भी इंसान सविंदा पर काम नहीं करना चाहता है। बता दें कि ये कोई पहला मौका नहीं है, जब वरुण गांधी अपनी ही सरकार पर हमलावर हो गए हों। वरुण गांधी बेरोजगारी के मुद्दे पर युवाओं की आवाज बनकर अपनी ही सरकार से सवाल किया करते हैं।

15 अक्टूबर को यूपी में परीक्षा केंद्र पर पहुंचने के लिए जद्दोजहद करते छात्रों की तस्वीरों को सोशल मीडिया पर साझा कर वरुण गांधी ने योगी सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने इन तस्वीरों के कैप्शन में लिखा था, यूपी बाढ़ की चपेट में है और 37 लाख से अधिक छात्र पेट की परीक्षा देने निकले हैं। प्रश्न पत्र हल करने से बड़ी चुनौती सेंटर तक पहुंचना है। छात्रों की निरंतर मांग के बाद ही न परीक्षा टाली गई और न यातायात के पुख्ता इंतजाम किए गए। शायद हवाई निरीक्षण से जमीनी मुद्दे नहीं दिखते।'

चुनाव आयोग ने पूर्व पीएम इमरान खान को अयोग्य घोषित किया, आयोग के बाहर फायरिंग

विदेशों से मिले उपहारों को बाजार में बेचने के आरोप

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी चुनाव आयोग ने पूर्व पीएम इमरान खान को आयोग्य घोषित कर दिया है। उनके 5 साल तक चुनाव लड़ने पर भी रोक लगा दी है। इमरान पर विदेशों से मिले उपहारों को बाजार में बेचने के आरोप लगे हैं। इस फैसले पर इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। खुद इमरान खान ने कहा है कि तोशाखाना से उपहारों की चोरी के आरोप झूठे और बेबुनियाद हैं। चुनाव आयोग के बाहर मौजूद इमरान खान समर्थकों ने जमकर नारेबाजी की है। इमरान के गृह राज्य खैबर पख्तूनख्वा के एक पूर्व विधायक सालेह मोहम्मद के सुरक्षाकर्मियों ने चुनाव आयोग के बाहर फायरिंग की। इस घटना के बाद मौके पर मौजूद इस्लामाबाद पुलिस ने पूर्व विधायक और उनके सुरक्षाकर्मियों को गिरफ्तार कर लिया। इस्लामाबाद में पुलिस और रेंजर्स के दस्ते लगातार गश्त लगा रहे हैं। पाकिस्तानी चुनाव आयोग के बाहर फायरिंग से राजनीति गहरा गई है। पूर्व विधायक मोहम्मद ने गिरफ्तारी का विरोध कर अपने सुरक्षाकर्मियों को भी इस्लामाबाद पुलिस की गिरफ्त से छुड़ाने की कोशिश की। इस्लामाबाद पुलिस ने चुनाव आयोग के बाहर मौजूद भीड़ को खदेड़कर पीटीआई समर्थक नेताओं को गिरफ्तार कर रही है। उधर, इमरान के करीबी नेता और पूर्व मंत्री फवाद चौधरी ने चुनाव आयोग के गेट पर चढ़ने की कोशिश की। उन्होंने दावा किया कि यह फैसला सरकार के दबाव में लिया गया है। उन्होंने ऐलान किया कि पीटीआई इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी और इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। इस मामले पर पूर्व पीएम नवाज शरीफ की बेटी और सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की उपाध्यक्ष मरियम नवाज ने इमरान खान पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इमरान खान दूसरों को चोर-चोर कहकर बुलाते थे। अब चुनाव आयोग ने भी साबित कर दिया है कि कौन चोर हैं। इमरान खान अब सर्टिफाइड चोर हो गए हैं। उन्होंने कहा कि इमरान खान के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी करनी चाहिए।

पाकिस्तानी सेना ने पहले ही चेतावनी दे चुकी हैं, कि अगर देश को अस्थिर करने की कोशिश की तब वह दखल देगी। पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने कहा है कि पाकिस्तान को अस्थिर किया गया, तब सेना उन्हें कुचल देगी।

न्यूज़ ट्रैक....

टी20 विश्वकप के सुपर-12 के मुकाबले आज से

सिडनी ।टी20 विश्व कप क्रिकेट के सुपर-12 के मुकाबले शनिवार से शुरु होंगे। इसमें श्रीलंका सहित 3 चैंपियन टीमें आमने-सामने नजर होंगी। इससे पहले श्रीलंका ओर नीदरलैंड ने ग्रुप ए से पहले दौर के मुकाबलों के बाद सुपर-12 में जगह बनायी। यहां अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की टीमें पहले से हैं। ऐसे में इसे ग्रुप ऑफ डेथ कहा जा रहा है क्योंकि यहां से दो टीमें ही सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। इसके अलावा ग्रुप की छठी टीम का फैसला कल होगा। वहीं पहले दौर के बाद ग्रुप-बी की बात करें तो सभी 4 टीमों ने एक-एक मैच जीते हैं। इममें स्कॉटलैंड पहले जबकि जिम्बाब्वे की टीम दूसरे नंबर पर है। इसके अलावा वेस्टइंडीज तीसरे पर जबकि आयरलैंड की टीम सबसे निचले चौथे नंबर पर है। सुपर-12 में पहुंची श्रीलंका की टीम को पहले मैच में नामीबिया से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद उसने यूएई और नीदरलैंड को हराकर शानदार वापसी की। वहीं दूसरी ओर नीदरलैंड ने नामीबिया और यूएई को पराजित किया। अब वह टीम इंडिया के साथ ग्रुप-2 में अपनी ताकत दिखाएगी। वहीं एक अन्य मुकाबले में यूएई ने नामीबिया को 7 रन से हराकर उसे टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। यह यूएई की टूर्नामेंट में पहली जीत भी है। यह उसकी टी20 विश्व कप में पहली जीत है।

युवराज ने अनोखे अंदाज में सहवाग को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग गुरुवार को 44 साल के हो गये। सहवाग को जन्मदिन पर साथी खिलाड़ियों ने शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर उनके साथी खिलाड़ी रहे युवराज ने अलग ही अंदाज में उन्हें बधाई दी। यूवी ने सहवाग को बधाई देते हुए लिखा, जब भी 'मुल्तान के सुल्तान' ने मैदान में कदम रखा तो हर विपक्ष टीम ने गाना गाया! 'बापू सेहत के लिए तू तो हानिकारक है' जन्मदिन की शुभकामनाएं वीरेन्द्र सहवाग! शेर की दहाड़ और वीरू के वार का कोई मुकाबला नहीं! ढेर सारा प्यार भाई। सहवाग ने अपने करियर में 104 टेस्ट मैचों में कुल 8586 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 23 शतक भी लगाये। सहवाग ने एकदिवसीय मुकाबलों में भी 15 शतकों की सहायता से 8273 रन बनाए हैं।

पाक ने वेस्टइंडीज के साथ घरेलू टी20 सीरीज के कार्यक्रम को बदला

कराची ।पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि वह जनवरी 2023 की जगह एक साल बाद 2024 में वेस्टइंडीज के साथ घरेलू टी20 सीरीज खेलेगा। पीसीबी ने कहा कि व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए उसने ये बदलाव किये हैं। पीसीबी ने कहा कि उसने ये बदलाव व्यस्त कार्यक्रम को को देखते हुए क्रिकेट वेस्टइंडीज से बात करने के बाद ही किये हैं। बोर्ड तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला को स्थगित करने पर सहमत हैं। पहले टी20 सीरीज का आयोजन जनवरी 2023 में होना था पर अब इसे 2024 के शुरुआती तीन महीनों में आयोजित किया जाएगा। पीसीबी के एक प्रवक्ता ने कहा, ''यह फैसला इसलिए भी किया गया क्योंकि 2024 में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का आयोजन होना है, जिसकी मेजबानी जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका मिलकर कर रहे हैं।

श्रीलंका, नीदरलैंड ग्रुप एक से टी20 विश्व कप के सुपर-12 में पहुंची

ग्रुप बी से वेस्टइंडीज, आयरलैंड, स्कॉटलैंड और जिम्बाब्वे में से दो टीमें पहुंचेंगी

सिडनी । श्रीलंका और नीदरलैंड की टीमों ने ग्रुप ए से टी20 विश्व कप के सुपर-12 में प्रवेश हासिल कर लिया है। श्रीलंका ने इस ग्रुप से सबसे पहले सुपर 12 में जगह बनायी। वहीं दूसरा नंबर डच टीम नीदरलैंड का रहा। पूर्व विश्व चैंपियन श्रीलंका ने पहले ही मुकाबले में नामीबिया के हाथों मिली हार के बाद शानदार वापसी की है। वहीं एक अन्य मुकाबले में यूएई ने नामीबिया को 7 रन से हराकर टी20 विश्व कप में अपनी पहली जीत हासिल की है। यूएई के नामीबिया के खिलाफ जीत हासिल करने के साथ ही नीदरलैंड को सुपर-12 में प्रवेश मिल गया।

यूएई ने जहां टी20 विश्व कप में अपनी पहली जीत दर्ज की है, वहीं नीदरलैंड ने इस जीत के बल पर टी20 विश्व कप के सुपर-12 दौर में पहुंच गयी। ग्रुप-ए की शीर्ष टीम श्रीलंका पहले ही अगले दौर में पहुंच चुकी है जबकि इस साल टूर्नामेंट में यूएई और नामीबिया का सफर समाप्त हो गया है।

वहीं पहले दौर के मुकाबलों के बाद ग्रुप बी को लेकर अभी भी स्थिति साफ नहीं हुई है। इस ग्रुप के 2 मुकाबले अभी होने हैं। इसमें भारत के साथ अगले स्तर पर जुड़ने वाली दूसरी टीम का नाम भी सामने आयेगा। शनिवार से सुपर 12 के मैच शुरू होंगे।

ग्रुप ए से श्रीलंका और नीदरलैंड ने टी20 वर्ल्ड कप के अगले राउंड के लिए क्वालीफाई कर लिया है. अब ग्रुप बी से कौन सी टीमें पहुंचती हैं यह देखना होगा। इसमें दो बार की टी20 विश्व कप चैम्पियन वेस्टइंडीज की टीम भी शामिल है। पहले दौर के अपने अंतिम मैच में वेस्टइंडीज का मुकाबला आयरलैंड से होगी। अगर इंडीज ने यह मैच जीत लिया तो वह वह सुपर 12 में पहुंच जाएगी हालांकि इस ग्रुप की शीर्ष टीम बनने के लिए उसे बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी। वेस्टइंडीज टीम नेट रन रेट के मामले में अभी तीसरे स्थान पर है। वहीं अभी पहले नंबर पर टीम स्कॉटलैंड है। दोनों ही टीमों के पास अभी 2-2 अंक हैं। ऐसे में स्कॉटलैंड को पीछे छोड़ने के लिए वेस्टइंडीज को अपने नेट रन रेट को बढ़ाना होगा। यह केवल बड़ी जीत से ही हो सकता है। इस ग्रुप में एक मैच जिम्बाब्वे और स्कॉटलैंड के बीच होगा। जिम्बाब्वे फिलहाल स्कॉटलैंड से पीछे दूसरे नंबर पर है। इन दोनों में से जीतने वाली टीम को अगले स्तर पर पवेश मिलेगा। ऐसे में वेस्टइंडीज, आयरलैंड, स्कॉटलैंड और जिम्बाब्वे में से जो भी टीम दो मैच जीतती हैं वह सुपर -12 में पहुंच जाएगी। . वहीं सुपर-12 में श्रीलंका की टीम ग्रुप 1 में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान से खेलेगी। दूसरी ओर ग्रुप 2 में नीदरलैंड भारत, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश की टीमों के बीच मुकाबला होगा।

मैक्सिको में ग्वाडालजारा ओपन टेनिस में बेलारुस की विक्टोरिया अजारेंका राउंड 16 में पहुंचने पर उत्साहित होती हुईं।

टीम इंडिया का पाक से मुकाबला 23 को

टीम इंडिया ने मेलबर्न के मैदान पर अभ्यास किया

मेलबर्न । टीम इंडिया ने टी20 विश्वकप में पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को होने वाले महामुकाबले के लिए मेलबर्न पहुंचकर अभ्यास किया है। भारतीय टीम अभ्यास के लिए सुबह ही मेलबर्न के मैदान पर पहुंच गयी। प्रशंसकों के लिए राहत की बात यह रही कि यहां बारिश भी रुक गयी है। इससे पहले मौसम विभाग ने रविवार को बारिश की संभावना व्यक्त की भी जिसके बाद से ही मैच को लेकर आशंकाएं लगने लगीं थीं।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने अधिकारिक ट्विटर हैंडल पर एक तस्वीर भी साझा की है। इसमें मेलबर्न क्रिकेट मैदान पर भारतीय खिलाड़ी बल्लेबाजी करते दिखे। बीसीसीआई ने इसकी इस तस्वीर के साथ लिखा, ' हम भारत और पाक मुकाबले से पहले अपने पहले अभ्यास सत्र के लिए यहां हैं। इससे पहले ब्रिस्बेन में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाने वाला अभ्यास मैच बारिश की वजह से नहीं हो पाया था। भारतीय टीम गुरुवार को ही मेलबर्न पहुंची थी। टीम इंडिया यहां दो सत्र में अभ्यास करेगी। इसमें सुबह टीम का कंडिशनिंग सत्र रखा गया है जबकि शाम को भारतीय टीम एमएसीजी पर नेट्स में अभ्यास करेगी। भारतीय क्रिकेट टीम विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत पाक के खिलाफ मुकाबले से करेगी। भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर युजवेंद्र चहल ने सबसे पहले मेलबर्न पहुंचने की जानकारी सोशल मीडिया के जरिये दी। चहल ने इंस्टाग्राम स्टोरी में कप्तान रोहित शर्मा, तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर, मोम्मद सिराज और ऑलराउंडर अक्षर पटेल के साथ एक तस्तीर भी साझा की है। इसमें सभी उड़ान के अंदर नजर आ रहे थे।

फिल्म पुष्पा के एक्शन से विराट ने दिखाया अपना आक्रामक अंदाज

सिडनी । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने टी20 विश्वकप से पहले फिल्म पुष्पा का एक एक्शन दिखाकर यह साफ कर दिया है कि वह इस बार शानदार प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। विराट ने हाल में हुए एशिया कप में अफगानिस्तान के खिलाफ शानदार शतक लगाकर फार्म हासिल किया था। वहीं अब पुष्पा का एक्शन कर उन्होंने अपने आक्रामक इरादे स्पष्ट कर दिये हैं। विराट ने यह संकेत दे दिया है कि वह झुकने वाले नहीं हैं। ऐसे में विरोधी टीम के गेंदबाज उनका सामना करने के लिए तैयार रहें। पुष्पा के एक्शन वाला विराट का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है। इसे प्रशंसकों ने काफी पसंद किया है। विराट पुष्पा का एक्शन करते समय मशहूर अभिनेता अल्लू अर्जुन से कम नहीं लग रहे हैं। उन्होंने वीडियो में पुष्पा फिल्म का मशहूर डॉयलाग 'झुकेगा नहीं साला' की कॉपी की। उन्होंने मैदान में किसी प्रशंसक की तरफ पुष्पा की एक्टिंग की। अब देखना होगा कि विराट पाकिस्तान के खिलाफ मेलबर्न में बड़ी पारी खेल पाते हैं या नहीं। गौरतलब है कि पुष्पा फिल्म का डॉयलाग 'झुकेगा नहीं साला' और एक्शन सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ है। भारतीय क्रिकेटरों के अलावा विदेशी खिलाड़ियों को भी यह एक्शन काफी पसंद आया है। टीम इंडिया रविवार को विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी।

26 साल बाद अकरम ने क्वार्टर फाइनल नहीं खेलने का कारण बताया

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने 26 साल बाद भारत के खिलाफ साल 1996 के विश्व कप क्वार्टर फाइनल में नहीं खेलने का कारण बताया है। अकरम ने कहा, ' मैं युवाओं से कहा चुका हूं कि अफवाहों पर ध्यान ना दें। उस समय आप में से अधिकतर लोग पैदा भी नहीं हुए होंगे। यह बहुत शर्मनाक है जब पाकिस्तान के लोग इस बारे में मुझसे सवाल करते हैं। मैं तीन दिन पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में चोटिल हो गया था। मैंने 34 रन की पारी खेली थी। डियोन नाश को मैं स्वीप करने गया था, फाइन लेग ऊपर था, मुझे छाती में खिंचाव आ गया था। इसकी वजह से मैं छह सप्ताह बाहर रहा। वकार यहां बैठा हुआ है, हमने इसलिए प्रेस में यह बात नहीं कही थी कि भारत को आत्मविश्वास ना मिले कि उनका मुख्य प्लेयर घायल है। मैंने छह पेन किलर इंजेक्शन लगावाए थे, लेकिन इससे बात नहीं बनी। भारत बनाम पाकिस्तान के बीच खेले गए उस मुकाबले में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को 39 रन से हराया था।

व्यापारन्यूज

डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसा टूटा

मुंबई । विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर की मजबूती के चलते रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 12 पैसे टूटकर 82.91 के स्तर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 82.89 पर खुला और फिर फिसलकर 82.91 पर आ गया। इस तरह रुपया पिछले बंद भाव के मुकाबले 12 पैसे टूट गया। शुरुआती सौदों में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.75 के स्तर तक गया। पिछले सत्र में गुरुवार को अमेरिकी मुद्रा की तुलना में रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर से उबरकर 21 पैसे की मजबूती के साथ 82.79 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत बढ़कर 113 पर आ गया। वैश्विक तेल सूचकांक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.37 प्रतिशत चढ़कर 92.72 डॉलर प्रति के भाव पर था। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 1,864.79 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

विमानन कंपनी इंडिगो आठ नई उड़ानें शुरू करेगी

नई दिल्ली । विमानन कंपनी इंडिगो ने भोपाल-उदयपुर, अहमदाबाद-जम्मू, रांची-भुवनेश्वर और इंदौर-चंडीगढ़ मार्ग पर आठ नई उड़ानें शुरू करने की घोषणा की। कंपनी के मुताबिक इन नई उड़ानों में से भोपाल-उदयपुर मार्ग पर संचालित होने वाली उड़ानें, आरसीएस (क्षेत्रीय उड़ान योजना के तहत संचालित उड़ान) उड़ानें होंगी, जिनसे संबंधित राज्यों के बीच संपर्क सेवा में सुधार होगा। इंडिगो के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा कि विमानन कंपनी के लिए सात राज्यों के बीच नए घरेलू मार्गों पर विशेष उड़ानें शुरू करके संपर्क और पहुंच बढ़ाना खुशी की बात है। इंडिगो के बेड़े में 275 से अधिक विमान हैं और कंपनी रोजाना औसतन 1,600 उड़ानों का संचालन करती है। उसकी उड़ानें 74 घरेलू और 26 अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर उपलब्ध हैं।

इंडसइंड बैंक के शेयरों में जबरदस्त उछाल, 1500 रुपये प्रति शेयर हो जा सकते हैं पार,

नई दिल्ली । निजी क्षेत्र के अग्रणी इंडसइंड बैंक के शेयरों में जबरदस्त उछाल देखने को मिल सकती है। शेयर बाजार के विशेषज्ञ बैंक के शेयरों पर बुलिश हैं। इंडसइंड बैंक को सितंबर 2022 तिमाही में 1787 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले इंडसइंड बैंक का मुनाफा 60 पर्सेंट बढ़ा है। मार्केट एक्सपर्ट का कहना है कि इंडसइंड बैंक के शेयर 1500 रुपये के पार जा सकते हैं। इंडसइंड बैंक के शेयर 20 अक्टूबर 2022 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में करीब 4 फीसदी की गिरावट के साथ 1171.55 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं। ग्लोबल ब्रोकरेज हाउस जेफरीज ने इंडसइंड बैंक के शेयरों पर बाय रेटिंग बनाए रखी है। ब्रोकरेज हाउस ने प्राइवेट सेक्टर के इस बैंक के लिए 1530 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है।

मजबूती के साथ खुले शेयर बाजार

सेंसेक्स 327 अंक चढ़ा, निफ्टी में भी आई तेजी

मुंबई । एशियाई बाजारों में मिलेजुले संकेतों और एक्सिस बैंक के शेयर के लाभ में जाने से घरेलू शेयर बाजारों के मानक सूचकांकों में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख देखा गया। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) कई दिन बाद गुरुवार को शुद्ध लिवाल बने इससे भी शेयर बाजार को बल मिला। बीएसई का तीस शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 327.9 अंक की मजबूती के साथ शुरुआती कारोबार में 59,530.80 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह एनएसई का निफ्टी भी 89.65 अंक की बढ़त के साथ 17,653.60 अंक पर पहुंच गया। एक्सिस बैंक का शेयर करीब छह फीसदी चढ़ गया। एक दिन पहले गुरुवार को उसके वित्तीय परिणामों की घोषणा हुई थी। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टाइटन, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारतीय स्टेट बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और महिंद्रा एंड महिंद्रा में शुरुआती कारोबार में तेजी रही। वहीं बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, डॉ. रेड्डीज, इंफोसिस और टाटा स्टील के शेयर शुरुआती नुकसान में रहे। पिछले कारोबारी सत्र में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 95.71 अंक की बढ़त के साथ 59,202.90 अंक पर बंद हुआ था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 51.70 अंक की बढ़त के साथ 17,563.95 अंक पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.32 प्रतिशत बढ़कर 92.68 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। इस बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजारों में शुद्ध लिवाली की। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक विदेशी निवेशकों ने गुरुवार को 1,864.79 करोड़ के शेयर खरीदे। सेक्टरवार देखा जाए तो निफ्टी आईटी और मीडिया सेक्टर को छोड़ अन्य सभी में तेजी दिख रही है।

अमेरिकी बाजार में ?गिरावट

मुंबई । अमेरिका में खुदरा महंगाई के हालिया आंकड़े आने के बाद से ही निवेशक दबाव में दिख रहे हैं। बीच में कुछ सत्र बढ़त बनाने के बाद अब दोबारा बिकवाली का असर दिखने लगा है। पिछले कारोबारी सत्र में भी अमेरिका के प्रमुख एक्सचेंज में शामिल नेस्डेक पर 0.61 फीसदी की गिरावट दिखी थी। अमेरिकी फेड रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने ब्याज दरों को और बढ़ाने का संकेत दिया है, जिसके बाद से ही निवेशक घबराए हुए हैं। वहीं अमेरिका के ?विपरीत यूरोप के बाजारों ने पिछले कारोबारी सत्र में बढ़त बनाई है और सभी प्रमुख एक्सचेंज तेजी के साथ बंद हुए। यूरोप के बड़े शेयर बाजारों में शामिल जर्मनी का स्टॉक एक्सचेंज बीते सत्र में 0.20 फीसदी चढ़कर बंद हुआ तो फ्रांस के शेयर बाजार ने 0.76 फीसदी की बढ़त हासिल की। लंदन स्टॉक एक्सचेंज ने भी बीते कारोबारी सत्र में 0.27 फीसदी की बढ़त बनाई थी।

धनतेरस से पहले सोना और चांदी में आई नरमी

नई दिल्ली । दिवाली और धनतेरस के मौके पर उम्मीद की जा रही थी कि सोने का भाव मजबूत होगा लेकिन हो इसका विपरीत रहा है। त्योहारी सीजन में सोने के दाम घटते जा रहे हैं। शुक्रवार 21 अक्टूबर को भी सोने का भाव भारतीय वायदा बाजार में गिरा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने में सुस्ती आई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का भाव शुरुआती कारोबार में 0.22 फीसदी गिर गया है। वहीं चांदी एमसीएक?स पर 0.47 फीसदी कमजोर हुआ है। शुक्रवार को वायदा बाजार में 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव 109 रुपए टूटकर 50,034 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। सोने का भाव 50,069 रुपए पर खुला। एक बार यह 50,014 रुपए तक चला गया। बाद में इसमें थोड़ी मजबूती आई और भाव 50,034 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी का भाव भी नरम है। चांदी की कीमत 264 रुपए घटकर 56,389 रुपए हो गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के भाव में हल्?की गिरावट आई है। सोने का हाजिर भाव 0.08 फीसदी गिरकर 1,626.25 डॉलर प्रति औंस रह गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी का भाव तेज हुआ है। चांदी का हाजिर भाव 1.11 फीसदी बढ़कर 18.62 डॉलर प्रति औंस पहुंच गया है। गुरुवार को भी भारतीय सर्राफा बाजार में सोने का भाव सस्ता होकर 50,516 रुपए का हो गया। एक किलो चांदी की दरों में मामूली तेजी आई थी. यह 56,451 रुपए प्रति किलो बिकी।

सीसीआई ने गूगल पर लगाया 1,337 करोड़ रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने अमेरीकी कम्पनी गूगल पर 1,337.76 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने एंड्रॉयड मोबाइल उपकरण परिवेश में बाजार में मजबूत स्थिति के दुरुपयोग को लेकर गूगल पर यह जुर्माना लगा है। इसके अलावा, सीसीआई ने प्रमुख इंटरनेट कंपनी को अनुचित कारोबारी गतिविधियों को रोकने और बंद करने का निर्देश दिया है। आयोग ने कहा कि गूगल को एक निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपने कामकाज के तरीके को संशोधित करने का निर्देश भी दिया गया है। सीसीआई ने अप्रैल 2019 में देश में एंड्रॉयड आधारित स्मार्टफोन के उपभोक्ताओं की शिकायतों के बाद मामले की विस्तृत जांच का आदेश दिया था। एंड्रॉयड दरअसल स्मार्टफोन और टैबलेट के मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) द्वारा स्थापित एक ओपन-सोर्स, मोबाइल ऑपरेटिंग प्रणाली है। अनुचित व्यावसायिक प्रथाओं के आरोप मोबाइल एप्लिकेशन डिस्ट्रीब्यूशन एग्रीमेंट (एमएडीए) और एंटी फ्रैगमेंटेशन एग्रीमेंट (एएफए) जैसे दो समझौतों से संबंधित हैं। नियामक ने कहा कि अनुचित कारोबारी गतिविधियों को रोकने का आदेश जारी करने के अलावा एंड्रॉयड मोबाइल उपकरण पारिस्थितिकी तंत्र में कई बाजारों में अपनी प्रमुख स्थिति का दुरुपयोग करने को लेकर गूगल पर जुर्माना लगाया गया है।

छह महीने में 40 फीसदी सस्ता हुआ इस्पात

नई दिल्ली । निर्यात में गिरावट से घरेलू बाजार में इस्पात की कीमतें पिछले छह महीने में लगभग 40 फीसदी घटकर 57,000 रुपए प्रति टन रह गई हैं। 15 फीसदी शुल्क लगाने की वजह से विदेशी मांग में नरमी आई। इसके अलावा इस्पात उत्पादों पर सरकारी कर, उच्च महंगाई और ऊर्जा लागत की वजह से भी कीमतों में गिरावट आई। लौह एवं इस्पात उद्योग से जुड़ी मूल्य समेत अन्य जानकारी देने वाली स्टीलमिंट के मुताबिक, घरेलू बाजार में इस्पात की कीमतें अप्रैल, 2022 में 78,800 रुपए प्रति टन पर पहुंच गई थीं। 18 फीसदी जीएसटी के बाद कीमत 93,000 रुपए प्रति टन हो गई थी। अप्रैल के अंत से कीमतों में गिरावट आनी शुरू हो गई। जून में दाम घटकर 60,200 रुपए प्रति टन पर आ गए। जुलाई और अगस्त में गिरावट के बाद सितंबर में यह घटकर 57,000 प्रति टन पर आ गई।

नीदरलैंड की कंपनी ने पेश की सोलर कार बिना चार्ज किए महीनों चलेगी

नई दिल्ली । नीदरलैंड की एक कंपनी एक सोलर कार पेश की है। यह दुनिया की पहली सोलर कार है जिसे लाइट ईयर जीरो नाम दिया गया है। खास बात है कि यह एक सोलर के साथ यह इलेक्ट्रिक पावरट्रेन से भी लैस कार है, जो सिंगल चार्ज पर लगभग 700 किलोमीटर तक रेंज ऑफर करने में सक्षम है। हम यहां गाड़ी की कीमत से लेकर फीचर्स तक की अब तक सामने आई पूरी जानकारी दे रहे हैं। कंपनी ने फिलहाल इस गाड़ी को यूएई में पेश किया गया है। कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर इस कार की कीमत 250,000 यूरो यानी करीब 2 करोड़ रुपये रखी है। संयुक्त अरब अमीरात में इच्छुक खरीदार कंपनी की वेबसाइट से यह कार बुक कर सकते हैं। अन्य ग्राहकों के लिए यह कार अगले साल सेल के लिए उपलब्ध हो जाएगी। इसकी टॉप स्पीड 160 किलोमीटर प्रति घंटा है और यह सोलर इलेक्ट्रिक कार सिर्फ 10 सेकेंड में शून्य से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कार टेस्ला मॉडल एस की तुलना में दोगुनी एफिशिएंट है और सबसे बड़ी बात है कि लाइटइयर जीरो कार को गर्मियों के मौसम में महीनों तक बिना चार्ज किए इस्तेमाल किया जा सकता है। मालूम हो कि एक तरफ इलेक्ट्रिक कारों को लेकर दुनियाभर क्रेज बढ़ रहा है। वहीं कुछ कंपनियां सोलर से चलने वाली कारों पर भी काम कर रही है और इस क्षेत्र में निवेश कर रही हैं। अभी तक सोलर गाड़ियां सेल के लिए उपलब्ध नहीं है और इन्हें बाजार में आने में समय लगेगा।

बच्चों को हार का सामना करना भी सिखायें

प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बच्चों पर हमारी आकांक्षाओं का बोझ बढ़ता जा रहा है। इससे बच्चों में तनाव और मानसिक रोग भी बढ़ते जा रहे हैं। आम तौर पर हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे बेहद सफल हों और आपाधापी में यह भूल जाते हैं कि उनकी भी कुछ क्षमताएं हैं। इस क्रम में हम बच्चे को हार का सामना करना सिखा ही नहीं पाते। वहीं बच्चे भी अपने को बेहतर मानते हुए हार का सामना नहीं कर पाते और ऐसे में जब उन्हें हार का सामना करना पड़ता है तो वह उसे स्वीकार नहीं कर पाते। फिर चाहे वह पढ़ाई हो या कोई खेल।

वहीं इसकी जगह हमें बच्चों को यह समझाना चाहिये की हारने से ज्यादा जरूरी है, खेल में भाग लेना। अगर हम पीछे रह जाते हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि हम हिम्मत हारकर बैठ जाएं। इन हालातों में बच्चों को हार-जीत से परे होकर स्पर्धा में हिस्सा लेने के बारे में समझाना चाहिए, क्योंकि हम अपने बच्चों को विफल होते नहीं देखना चाहते और न ही उनके भविष्य के साथ किसी तरह का खिलवाड़ होते देखना चाहते हैं। बच्चों को यह बात समझ में आए, इसके लिए जरूरी है कि हम उनके साथ ढेर सारा समय बिताएं और उन्हें ही प्राथमिकता दें। उन्हें खूब सारा प्यार देकर और प्रोत्साहन भरे शब्दों का इस्तेमाल करके राहत दें। अपने बच्चों को हार से उबारने और उससे पार पाने के लिए हमें उन्हें कुछ खास बातें जरूर बतानी चाहिए।

हर समय नहीं मिलती जीत

उन्हें सबसे पहले यह समझाएं कि हर समय जीत जरूरी नहीं है। इसकी शुरुआत स्कूल में ही हो जाती है, जब वे खेलों में हिस्सा लेते हैं। उन्हें यह बताएं कि हर समय हर व्यक्ति जीत नहीं सकता साथ ही यह भी समझना जरूरी है कि वे जो कर रहे हैं, उसमें अपना बेहतर देने की कोशिश करें। जितने गर्व के साथ से वे जीत को सिर-माथे पर लेते हैं, उतने ही खुश होकर हार को भी स्वीकार करें।

अपनी हार स्वीकार करें

उन्हें अपनी हार स्वीकार करना सिखाएं जबकि आमतौर पर देखा गया है कि जब बच्चे किसी चीज में पिछड़ जाते हैं तो वे दूसरों को अपनी हार के लिए जिम्मेदार बताते हैं। इस दौरान यह याद रखना जरूरी है कि हार को स्वीकार करने से ही सफलता हासिल होती है। दूसरे को जिम्मेदार बताने से कुछ हासिल नहीं होता।

किसी से तुलना न करें

कई चीजें हमारे बस में नहीं होती। संभव है कि आपका बच्चा खेल में अच्छा हो और पढ़ाई में औसत। इस बात को आपको भी स्वीकार करना चाहिए और बच्चे को भी समझाइए। हां, यह जरूर है कि आधारभूत पढ़ाई सबके लिए जरूरी है। आपको यह सोचकर खुश होना चाहिए कि वह किसी क्षेत्र में तो चैंपियन है। उन्हें उस रास्ते पर चलने में मदद कीजिए, जहां उनकी सफलता छिपी है।

हार पर दें सांत्वना

उनसे बात करें कि हारने के बाद उन्हें कैसा महसूस हो रहा है। यह महत्वपूर्ण है कि आपका बच्चा अपने एहसास आपसे बांटे। इस तरह से आपको यह पता चलेगा कि उन्हें कितना दुख पहुंचा है और आप किस तरह से उन्हें सांत्वना दे सकती हैं और यह समझा सकती हैं कि कभी-कभी हारना भी बुरा नहीं है। अपना यह एहसास बांटने से उन्हें जीवन के अन्य क्षेत्रों के लिए भी तैयार होने में मदद मिलेगी।

असफलता से ही सफलता की राह

उन्हें समझाएं कि हार सफलता की सीढ़ी पर चढ़ने का रास्ता भी हो सकता है। यदि वे बैठकर यह सोचने में लग जाएंगे कि वे कैसे हार गए तो इसका कोई सकारात्मक परिणाम हाथ नहीं आएगा। इसकी बजाय यदि वे अगली बार के लिए तैयारी करेंगे तो सफलता जरुर मिलेगी ।

सबसे बड़ी बात, जब भी आपका बच्चा दुखी हो, उसे गले लगाएं। हमें गले लगाने की जरूरत हर उम्र में पड़ती है। तो आपका बच्चा चाहे पांच साल का हो या पंद्रह का, उसे गले जरूर लगाएं। याद रखें कि आप जितना देंगी, उतना ही आपको वापस मिलेगा। सोचकर देखिए, क्या आपको उस समय अच्छा नहीं लगेगा, जब आप दुखी हों और आपका बच्चा आगे बढ़कर आपको गले लगा ले।

जीत की राह तैयार करें

यह सुनकर थोड़ा अजीब लग रहा होगा, लेकिन सच तो यह है कि जीतने की भी कला होती है। जीतने की योजना भी बनाई जानी चाहिए और उसके बाद उसी के अनुसार काम करना चाहिए। बच्चे की जीतने की इस योजना में आप उसकी मदद कर सकती हैं। पढ़ाई के लिए दिनचर्या बनाने में उसकी मदद करें, पढ़ने में उसकी मदद करें। परीक्षा के समय जब वह देर रात तक जागता है तो उसे चाय या कॉफी बनाकर दें। कहने का तात्पर्य है कि किसी की जीत के लिए सिर्फ उसकी अपनी काबिलियत नहीं, दूसरों की मदद भी जरूरी है।

बच्चों पर पढ़ाई के लिए दबाव न बनाएं

हर माता-पिता अपने बच्चे को टॉपर बनते देखना चाहते हैं, ऐसे में बच्चों पर अनावश्यक पढ़ाई का बोझ डाला जाता है। स्कूल में पढ़ाई, फिर घर में और उसके बाद ट्यूशन में पढ़ने के लिए बच्चे के साथ जबरदस्ती की जाती है। यह भी सही है कि वर्तमान में अभिभावकों की प्राथमिकताएं बदली हैं और शिक्षा में भी बदलाव आया है ऐसे में बच्चे के लिए ऐसा माहौल बनाना बेहद जरूरी है ताकि वह हल्के माहौल में पढ़ाई कर सके और कोई दबाव भी महसूस न करे। घर में बच्चा ध्यान लगाकर पढ़ सकें। इसलिए माता-पिता को ऑफिस या बिजनेस के काम से समय निकालकर बच्चे की पढ़ाई का माहौल बनाने में भी ध्यान देना चाहिए।

माता-पिता की व्यस्तता से बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित होती है। पहले यह समस्या महानगरों तक सीमित थी, लेकिन अब तो सभी शहरी क्षेत्रों में है। इसीलिए अब घरों में पढ़ाई का माहौल बना कर रख पाना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है।

पढ़ाई का बेहतर माहौल बनाने के लिए जरुरी नहीं कि आप बजट ही बिगाड़ लें और हर वह महंगा सामान खरीदना शुरु कर दें जिससे बच्चा पढ़ाई में लगा रहे। जरुरी है कि कम सामान और अच्छी पाठ्य सामग्री से बच्चे के कमरे को सजाया जाए और मेहमानों के या मिलने-जुलने वालों के आने-जाने का असर बच्चों पर न पड़े। आपका घर यदि एक या दो कमरों वाला है तो आपको सबसे पहले जरूरी है कि आप अपने बच्चे की पढ़ाई का समय निर्धारित कर दें और उस समय में बच्चे को अनावश्यक डिस्टर्ब न करें। पढ़ाई के लिए उत्तम समय तो काम-काजी इंसान जब घर में न हो तब ही होता है, यदि पति-पत्नी दोनों ही कार्य से बाहर रहते हैं तो दोनों बारबरी से बच्चों को समय दें। बच्चे को पढ़ने के लिए एकांत वातावरण का आभास कराएं। ऐसे में बच्चा एकाग्रता के साथ पढ़ सकेगा। बच्चों की पढ़ाई में सबसे अधिक अवरोध तब होता है जब कोई मेहमान घर आता है। घर छोटा हो तो मेहमान का आना आपसे ज्यादा बच्चे को अखर सकता है, क्योंकि उसकी पढ़ाई डिस्टर्ब होती है। ऐसे में जरुरी हो जाता है कि बच्चे की पढ़ाई के समय मेहमान को आने का न्योता न दें। किसी भी प्रकार के काम से घर के बाहर जाना पड़े तो कोशिश करें कि बच्चे के स्कूल से घर आने के पहले ही आप काम खत्म कर घर पहुंच जाएं। बच्चे की पढ़ाई के समय आप भी उसके साथ पुस्तक या अखबार पढ़ें। इससे बच्चे पढ़ाई में लगे रहेंगे और माहौल भी शांत बना रहेगा। बच्चे के पढ़ने के समय में आप उसके पास कतई न सोएं। ऐसा करने से बच्चे में आलस्य आएगा। खास बात यह कि बच्चे को प्रलोभन देकर पढने को न बैठाएं, इससे बच्चे का मन भटकता रहेगा और पढ़ाई भी नहीं होगी। इस प्रकार ये ऐसे कुछ सुझाव हैं जो कि बच्चे की पढ़ाई में सहायक सिद्ध हो सकते हैं।

बच्चों को लालच देकर काम न करायें

आमतौर पर अभिभावकों की आदत होती है कि वे अपने बच्चे को लालच देकर काम कराते हैं। अभिभावक कहते हैं कि अगर तुम समय पर अपना होमवर्क खत्म कर लोगे या फिर अपनी हॉबी क्लास में अच्छे से सीखोगे, तो तुम्हें चॉकलेट दिलाएंगे या फिर तुम्हारा पसंदीदा खिलौना खरीद देंगे। यह कभी-कभार के लिए तो यह ठीक है, लेकिन जब यह रोज की आदत बन जाए, तो ऐसे में बच्चे के लिए अपने काम को सही तरीके से कर पाना कठिन हो जाता है। ऐसे में काम की बजाय उसका पूरा ध्यान काम खत्म होने पर मिलने वाली चीजों में ही लगा रह जाता है, जिसकी वजह से वो अपना काम निपटाने वाले अंदाज में करता है। बच्चे में पनपती यह आदत धीरे-धीरे उसकी रचनात्मकता को भी समाप्त कर देती हैं।

ज्यादा बोझ ना डालें: अपने बच्चे को परफेक्ट बनाने के फेर में बहुत सारी चीजें करने के लिए उस पर दबाव ना बनाएं। आपका बच्चा सारी चीजों में सही हो जाए, इसकी अपेक्षा ना करें। यह जरूरी नहीं है कि आपका बच्चा पढ़ाई में अच्छा है, अच्छी ड्रॉइंग करता है, खेलों में अच्छा है, तो वो

अच्छा गाना भी गाएगा और डांस भी कर लेगा। अपने बच्चे को उतना ही करने दें, जितना वो सहजता से कर पाए। बहुत सारे के प्रयास में वो कोई भी काम ठीक से नहीं कर पाएगा।

उसका पसंदीदा काम करने दें: छोटे से बच्चे पर अपनी पसंद ना थोपें। उसे वो काम करने दें, जो करना उसे पसंद है। अगर वो डांस क्लास या वॉलीबॉल की क्लास में नहीं जाना चाहता है, तो उसके दोस्त ऐसा कर रहे हैं, यह सोचकर आप उसे भी ऐसा करने के लिए मजबूर ना करें। अगर उसका मन घर में बैठकर कलरिंग करने का है या फिर वह टीवी पर थोड़ी देर के लिए अपना पसंदीदा कार्टून देखना चाहता है, तो इसके लिए आप उसे मना ना करें। अगर आपके पास समय है, तो उसके साथ बैठकर वो काम करें, जिसमें उसे मजा आ रहा हो। उसे बातों-बातों में जिंदगी के बारे में अच्छी बातें बताएं।

इन बातों का रखें ध्यान: बच्चे में किसी भी काम को रचनात्मक तरीके से करने की भावना तभी आएगी, जब उसके अंदर हार का डर नहीं होगा। अभिभावक के तौर पर यह आपका दायित्व है कि अपने बच्चे के अंदर सफलता और असफलता को लेकर सही सोच विकसित करें। अपने बच्चे के अंदर असफलता से भी सीखने का भाव भरें। अपने बच्चे को पूरा समय दें। भले ही आप कितनी भी व्यस्त क्यों ना हों, दिन का कुछ समय सिर्फ अपने बच्चे के लिए रखें। इस समय में आप उसके मन में उठने वाली जिज्ञासाओं को शांत करें। उसके छोटे-छोटे सवालों का धैर्यपूर्वक जवाब दें। उसे अच्छी कहानियां सुनाएं, इससे आपके बच्चे की रचनात्मकता बढ़ेगी। अपने बच्चे से इस बात की उम्मीद न करें कि वो किसी भी काम को एक ही समय में पूरा कर लेगा। उसे काम पूरा करने के लिए वक्त दें।

सेल्फी की आदत से बच्चों को बचायें

आजकल मोबाइल की पहुंच बच्चों ओर किशोरों तक भी है और वह भी सेल्फी लेने लगे हैं। वहीं इससे लगातार हादसे के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में बच्चों को इस आदत से दूर रखना अभिभावकों का काम है। वहीं विशेषज्ञों के अनुसार हम एक ऐसे युग में रहते हैं जहां मोबाइल फोन हमारे जीवन में प्रवेश कर चुका है और वास्तविक मानवीय संपर्क लगभग न के बराबर है हालांकि प्रौद्योगिकी ने सभी के लिए जीवन को आसान बना दिया है, लेकिन इसके साथ एक गंभीर समस्या भी है। पिछले दो वर्षों में दुनिया भर में सेल्फी का बुखार बढ़ा है। सेल्फी को दुनिया भर में बड़ी संख्या में मृत्यु दर और महत्वपूर्ण बीमारी से जोड़ा गया है।

- इस डिजिटल युग में, अच्छे स्वास्थ्य के लिए तकनीक का इस्तेमाल जरुरत से ज्यादा न हो। हम में से बहुत से लोग ऐसे उपकरणों के गुलाम बन गए हैं जो वास्तव में हमें फ्री टाइम देने और जीवन को बेहतर तरीके से अनुभव करने तथा लोगों के साथ अधिक समय बिताने के लिए बनाये गये थे। जब तक जल्द से जल्द एहतियाती उपाय नहीं किए जाते, यह लत लंबी अवधि में किसी के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकती है।
- मोबाइल फोन के अधिक उपयोग के कारण होने वाली समस्याओं को अभिभावक इस प्रकार रोकें।
- बच्चों को सोने से 30 मिनट पहले किसी भी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट का उपयोग न करने दें
- हर तीन महीने में सात दिन के लिए फेसबुक से दूर रखें।सप्ताह में एक बार, पूरे दिन के लिए सोशल मीडिया का उपयोग न करने दें।अपने मोबाइल फोन का उपयोग केवल तभी करें जब घर से बाहर हों।
- अपने मोबाइल टॉक टाइम को दिन में दो घंटे तक सीमित करें। अपने मोबाइल की बैटरी को दिन में एक से अधिक बार रिचार्ज न करें। मोबाइल भी अस्पताल में संक्रमण का एक स्रोत हो सकता है, इसलिए, इसे हर दिन कीटाणुरहित किया जाना चाहिए।

बच्चों की संगत और उनके कामों पर रखें नजर

आपका बच्चा स्कूल जाता है तो यह जरूरी हो जाता है कि आप उसके दैनिक कार्यों पर नजर रखें। आपका बच्चा घर के बाहर क्या सीखता रहा है और किन बच्चों की संगत में रहता है यह भी आपके ध्यान में होना चाहिए। इसके लिए यह जरूरी है कि आप अपने बच्चे के रोजमर्रा के अनुभव के साझेदार बनें। इसके साथ ही आप घर के कार्यों को सम्पन्न करते हुए बच्चों को छोटी-छोटी बातें भी सिखा सकते हैं और उसके मन की बात जान सकते हैं। यदि बच्चों के साथ घर के बाहर जाते हैं तो अच्छी और बुरी बातों की जानकारी प्रत्यक्ष रूप से दे सकती हैं। इसी तरह आप बच्चों को मौसम की जानकारी देते हुए अनेक बातों को समझा सकती हैं। ऐसे कई उपाय हैं जिनसे आप बच्चों की समझ विकसित कर सकते हैं।

दुनिया के बारे में बच्चों की सोच किस प्रकार की है। बच्चों की उम्र के साथ-साथ दुनिया के बारे में उनकी समझ में बदलाव होता जाता है। इस बदलाव की पूरी जानकारी माता-पिता को ही देनी होती है। आपके बच्चे को क्या अनुभव अनुभव प्राप्त हो रहा है। वह स्कूल या दुनिया की घटनाओं के बारे में क्या सोचता है। ऐसी बातों की पूरी जानकारी आपको होनी जरूरी है। आप बच्चों को इन बातों की जानकारी बहुत ही सुलभ तरीके से प्रदान कर सकते हैं। आस-पास घटित हुई हाल की घटना के बार में आप बच्चों से उनके जवाब या विचार जानने की कोशिश करें। बच्चा जो भी जवाब देता है उसे संपादित कर सही करें। आप किसी समाचार से संबंधित कई जानकारियां अपने बच्चे तक पहुंचा सकते हैं।

अपने बच्चे को सीखने में मदद करें

हर माता-पिता की चाहत होती है कि उसका बच्चा पढ़-लिखकर एक जिम्मेदार व्यक्ति बने। इसके लिए माता-पिता को जिम्मेदारीपूर्ण नेतृत्व प्रदान करना चाहिए। माता-पिता बच्चों को प्रेरणा प्रदान करें। प्रेरणा ऐसी होनी चाहिए जो बच्चे को अंदर से जागृत करे। बाहरी प्रेरणा से बच्चे भ्रमित हो सकते हैं। इसलिए बच्चे के हितों को ध्यान में रखकर माता-पिता अच्छी बातों को सिखाएं। सफलता और असफलता को एक समान समझने की कला विकसित करें। यह भविष्य में बहुत ही कारगर साबित होता है।

अपने बच्चे के शेड्यूल को हमेशा व्यस्त न रखें

यदि आप अपने बच्चे को स्कूल की शिक्षा के अतिरिक्त कोई बाहरी शिक्षा प्रदान करना चाहते हैं तो यह ध्यान रखना चाहिए कि यह बच्चे के शेड्यूल में किसी प्रकार का बाधा न डाले। बच्चों का हमेशा व्यस्त रखने से उनकी प्रतिभा प्रभावित होती है। इससे उनकी कार्यप्रणाली पर बुरा प्रभाव पड़ता है। बच्चों को अपनी पसंद का खेल खेलना बहुत ही जरूरी होता है। बच्चे पढ़ाई संबंधी तनाव को खेल के जरिए ही दूर करते हैं। यदि आपने बच्चे को संगीत शिक्षा या अन्य खेल संबंधी अतिरिक्त पाठ्यक्रम की शिक्षा दिला रहे हैं तो आपको यह ध्यान देना जरूरी है कि ये गतिविधियां नियमित रूप से बच्चों को आकर्षित करती रहें। बच्चों का मन बहुत ही चंचल होता है। इस कारण किसी भी चीज से बहुत ही जल्द उनका मोह भंग हो जाता है।

नई चीज सीखें और बच्चों को सिखाएं

बच्चों के रोल मॉडल बनने का यह बहुत ही अच्छा तरीका है। आप भी नई चीजों को सीखने की कोशिश करें। इन नई चीजों की जानकारी आप खुद से अपने बच्चों में स्थानांतरित कर सकते हैं। मान लीजिए कि आपके समक्ष कोई ऐसी घटना घटी या आपने किसी ऐसी घटना के बारे में सुना या देखा जिससे आपके बच्चे को प्रेरणा मिल सकती है तो आप उस जानकारी को स्वयं के अनुभव से अपने बच्चों को बता सकते हैं।

इन उपायों द्वारा आप बच्चों को पढ़ाई के तनाव से मुक्ति तो दिला ही सकते हैं साथ ही एक रोल मॉडल बनकर कई प्रकार से प्रेरित कर सकते हैं।

धर्मांतरण और जनसंख्या असंतुलन और संघ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी मंडल की बैठक में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने धर्मांतरण को साजिश बताते हुए भारत में जनसंख्या के असंतुलन से जोड़कर चिंता जताई है। उन्होंने कहा जनसंख्या असंतुलन के लिए दूसरा सबसे बड़ा मुद्दा घुसपैठ है। बांग्लादेश के रास्ते उत्तर बिहार के पूर्णिया कटिहार जैसे जिलों में और अन्य राज्यों में जनसंख्या असंतुलन देखने को मिल रहा है। होसबोले ने देश में जनसंख्या विस्फोटक को चिंताजनक बताया। उन्होंने इस विषय पर समग्रता एकता और एकात्मता के साथ विचार करने और जनसंख्या नीति बनाने की बात कही। धर्मांतरण एक अलग विषय है। जनसंख्या एक अलग विषय है। इन दोनों विषयों को एक साथ जोड़ कर देखना मुद्दे से भटकने जैसा है। धर्मांतरण कब और क्यों होता है। संघ को इस पर भी विचार करना चाहिए। जब अपने ही धर्म को मानने वाले लोगों के साथ भेदभाव शुरू करते हैं। उनके सुख-दुख से अपने आप को दूर कर लेते हैं। उसके बाद धर्म परिवर्तन जैसी स्थितियां निर्मित होती हैं। हजारों साल पहले जब मुगल आक्रांता भारत आए थे, उस समय माना जा सकता है कि उन्होंने तलवार के बल पर धर्म परिवर्तन कराया हो। लेकिन हजारों साल का इतिहास देख और पढ़ लें। शासकों द्वारा तलवार की नोक पर धर्मांतरण कम कराया गया है। उससे ज्यादा धर्मांतरण खुद हिंदुओं की अपनों को अलग करने की प्रवृत्ति से लोग मुसलमान बने। संघ को यह भी विचार करना चाहिए कि मोहम्मद अली जिन्ना के पूर्वज क्यों मुसलमान बनने के लिए विवश हुए। उन स्थितियों को रोकने के लिए हिंदू समाज ने स्वतंत्रता एवं वर्तमान में क्या किया। सिख धर्म की स्थापना बाहर से आ रहे आक्रांताओं को रोकने और जबरिया धर्म परिवर्तन के खिलाफ हुआ था। आज भी सिख धर्म में जात-पात, छोटा-बड़ा, स्त्री-पुरुष का भेद नहीं है। सिख धर्म के लोग कभी भी अपने समुदाय के लोगों को सिख धर्म से बाहर नहीं निकालते हैं। हिंदुओं का तो इतिहास भरा पड़ा है, ?कि जरा जरा सी बात पर लोगों को जात से बाहर निकालने और हुक्का पानी बंद कर ?दिया गया। अपमा?नित होने के कारण समय-समय पर हिंदू धर्म के लोग अन्य धर्मों को अपनाने के लिए विवश हुए। कम से कम मोहम्मद अली जिन्ना और स्वतंत्र भारत में बौद्ध धर्म को याद कर लें। हिंदू समाज जब अपने ही लोगों के हितों के संवर्धन के लिए आगे आएगी। उनके दुख दर्द दूर करेगी। तब ऐसा कोई कारण नहीं है, कि लोग अपना धर्म छोड़कर अन्य धर्म को स्वीकार करें। बात अकेले मुस्लिम धर्म की नहीं है मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध धर्म पिछले 1000 साल में बड़ी तेजी के साथ दुनिया भर में फैले। इन धर्मों को अपनाने वालों की संख्या पिछले 1000 साल में बड़ी तेजी के साथ बढ़ी। मुस्लिम धर्म 1400 साल पुराना है। ईसाई धर्म 2000 साल पुराना है। सनातन धर्म जो दुनिया का सबसे पुराना और सबसे अच्छा धर्म है। इसका विस्तार क्यों नहीं हुआ। यह सोचने की जरूरत है। रही बात जनसंख्या की, तो जनसंख्या ज्यादा होना उस देश की आर्थिक समृद्धि एवं बलवान होने का संकेत है। चीन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। सबसे बड़ी आबादी होते हुए भी वैश्विक व्यापार संधि के बाद चीन ने आर्थिक एवं सामरिक दृष्टि से अपने आप को सक्षम बना ?लिया। चीन की श्रम शक्ति के कारण ही संभव हो पाया। विचार करें जमीन एवं फीमेल में प्रजनन क्षमता है। जिस देश के पास जितनी भूमि होगी, उसकी प्रजनन क्षमता ज्यादा होगी। वहीं सबसे विकसित राष्ट्र होगा। भारत को देवभूमि इसलिए कहा जाता है कि यहां की भूमि की प्रजनन क्षमता सबसे अधिक है। यहां का मौसम उसके प्रजनन में मदद करता है।

काँग्रेसः बुजुर्ग अध्यक्ष और 21 वीं सदी का चुनौतियों भरा ताज

ऋतुपर्ण दवे

काँग्रेस ने आखिर 21 वीं सदी का पहला नया लोकतांत्रिक अध्यक्ष चुन ही लिया जो गाँधी परिवार के बाहर का है। यह जबरदस्त प्रचार और बेहद शांति के साथ आंतरिक लोकतंत्र की दुहाई के नाम पर हुआ। वह भी तब जब गाँधी परिवार का वारिस (जैसा दिखता है) 42 दिन से दिल्ली से बाहर है और पैदल-पैदल भारत जोड़ो यात्रा पूरी कर रहा है। बेशक पार्टी बेहद मुश्किल दौर में है, जनाधार तेजी से गिरा है, भविष्य क्या होगा इसको लेकर अनिश्चितता है। पार्टी में तेजी से फूट, गुटबाजी और बिखराव के बीच एक बड़ा संदेश देने की कोशिश कितनी कामियाब होगी यह वक्त बताएगा। अब काँग्रेस पार्टी का चुनौतियों से भरा ताज 80 बरस के मल्लिकार्जुन खड़गे के माथे पर है जिनका अनुभव भरा 55 साल का राजनीतिक सफर है। वो गाँधी परिवार के बेहद विश्वासी हैं। लेकिन यह भी जगजाहिर है कि गाँधी परिवार के बाहर के तमाम अध्यक्ष अपने अच्छे रिश्तों के चलते पार्टी अध्यक्ष तक पहुंचे जरूर लेकिन धीरे-धीरे कड़वाहट बढ़ती गई और देर-सबेर हटना या हटाना ही पड़ा। गिनाने की जरूरत नहीं सबको पता है कि के कामराज से लेकर सीताराम केसरी तक गैर नेहरू-गाँधी अध्यक्षों को कैसे-कैसे दौर से गुजरना पड़ा। बहरहाल तब और अब में फर्क तो दिखता है। हो सकता है कि परिस्थितियां इसके लिए मजबूर करें कि वैसी पुनरावृत्ति न हो।

काँग्रेस का इतिहास देखें तो 137 साल के सफर में छठवी बार पार्टी अध्यक्ष का चुनाव हुआ है। बांकी वक्त पार्टी की कमान नेहरू-गांधी परिवार के हाथों में या फिर सर्वसम्मत चुने अध्यक्ष के पास रही। इस बार भी पहले की तरह गाँधी परिवार ने साफ कर दिया था कि वो इस दौड़ में नहीं है। उसके बाद जिस तेजी से अशोक गहलोत का नाम उभरा और मुख्यमंत्री की कुर्सी के मोह में पिछड़ा तब से मल्लिकार्जुन खड़गे बहुत तेजी से सामने आए और शशि थरूर उनके प्रतिद्वन्दी बने। जीत गाँधी परिवार के वरदहस्त प्राप्त मल्लिकार्जुन खड़गे को मिली। जीतते ही उन्होंने सोनिया गाँधी से मिलने का वक्त मांगा। हुआ उल्टा शाम को बधाई देने खुद सोनिया गाँधी उनके घर पहुंची और बड़ा संदेश दे डाला। इससे पहले थरूर ने पहले उप्र में चुनाव में धांधली का आरोप लगाया बाद में खुद ही बड़ा दिल दिखाते हुए खड़गे को मुबारकबाद देने उनके घर जा पहुँचे। निश्चित रूप से यह पार्टी के लिहाज से सकारात्मक कहा जाएगा लेकिन सवाल फिर वही कि खड़गे का नेतृत्व काँग्रेस को कितना आगे ले जाएगा? थोड़ा अतीत में भी झांकना होगा। 1964 से 1967 तक के दौर में काँग्रेस दिग्गजों को सरकार से इस्तीफा दिलाकर संगठन में ला पार्टी को मजबूत करने वाला %कामराज प्लान% अपने आप में अलग था। इसकी शुरुआत 1963 में खुद से ही की जब कामराज ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पद से स्तीफा देकर उदाहरण पेश किया। इसी कारण और कई राज्यों में मुख्यमंत्रियों और केंद्रीय मंत्री भी इस्तीफे को विवश हुए। नेहरू जी की मृत्यु के बाद इन्हीं ने इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री बनाने में बड़ी राजनीतिक बिसातें बिछाईं और कामियाब भी हुए। लेकिन एकाएक कई मतभेदों के चलते दोनों के रिश्ते बिगड़ते चले गए। इसी चलते 1969 में काँग्रेस दो टुकड़े हो गई। सिंडिकेट के नियंत्रण वाला धड़ा कांग्रेस (ओ) हो गया और इंदिरा के नेतृत्व वाला धड़ा कांग्रेस (आर) बन गया जो मौजूदा कांग्रेस है। दो साल बाद 1971 में लोकसभा चुनाव के साथ-साथ तमिलनाडु विधानसभा चुनाव भी हुए। इसमें कामराज अपने गुट की तरफ से मुख्यमंत्री के दावेदार थे। इधर इंदिरा गांधी ने भी जबरदस्त चाल चली उन्होंने द्रविण मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के एम करुणानिधि के साथ मिलकर खेला कर दिया। इन्दिरा कांग्रेस ने डीएमके से गठबंधन कर लिया और विधानसभा चुनाव में ही नहीं उतरी। उल्टा लोकसभा चुनाव खातिर डीएमके से सीटों का समझौता कर लिया और कामराज का मुख्यमंत्री बनने का सपना चूर-चूर कर दिया। इसी के बाद तमिलनाडु में ऐसे हालात बनते गए कि काँग्रेस खुद हासिए पर चली गई। 1991 में राजीव गांधी की हत्या के बाद के हालात भी देखने होंगे। हत्या पहले चरण के बाद हुई जिसके नतीजे कांग्रेस के लिए अच्छे नहीं थे। लेकिन बाद के चरण में सहानुभूति के चलते 232 सीटें जीतकर काँग्रेस बड़ा दल बनी फिर भी बहुतमत से पीछे रह गई। उसी समय सोनिया गाँधी को आगे आने के लिए खूब जोर आजमाइश हुई। लेकिन वो तैयार नहीं हुईं। आखिर में नरसिम्हा राव के नाम पर मुहर लगी जिन्होंने पूरे 5 साल गठबन्धन की सरकार चलाई और पार्टी भी संभाली। बतौर पार्टी अध्यक्ष अपनी मनमर्जी से संगठन चलाने और प्रधानमंत्री के रूप में देश चलाने से उनके गाँधी परिवार से रिश्ते बिगड़ने लगे। नरसिम्हा राव ने डूबती अर्थव्यवस्था को उदारीकरण के जरिए बचाया था। 1996 में भ्रष्टाचार के मामले में उन्हें काँग्रेस अध्यक्ष पद छोड़ना पड़ा। सीताराम केसरी को भी गाँधी परिवार ने बड़े जोश-खरोश से अध्यक्ष बनाया था लेकिन संबंध ज्यादा दिनों तक नहीं निभे। कई नेताओं और सलाहकारों के द्वारा लगातार कान भरे जाने से हमेशा गाँधी परिवार के विश्वासी और भक्त माने जाने वाले केसरी भी आँखों की किरकिरी बन गए। अंततः 5 मई 1998 को अपनी ही बुलाई काँग्रेस वर्किंग कमिटी की बैठक में उन्हें पार्टी की बदहाली का हवाला दिया गया और सोनिया गाँधी को अध्यक्ष बनाने की सिफारिश को कहा गया। केसरी ने इसे क्या ठुकराया उन्हें भी जबरदस्त अपमान का सामना झेलना पड़ा। वो बीच बैठक से चले गए और प्रणव मुखर्जी ने वरिष्ठता के नाते आगे अध्यक्षता की जिसमें दो प्रस्ताव पास हुए। एक में सीताराम केसरी को उनके कार्यकाल के लिए आभार जताया तो दूसरे में सोनिया गाँधी से अध्यक्ष पद स्वीकारने की अपील की गई। साल भर बाद एक बैठक में पहुंचने पर केसरी के कुर्ता फाड़ने व अपमानित करने की बातें सबने देखीं।

नए काँग्रेस अध्यक्ष 6 भाषाओं के जानकार हैं। मूलतः दक्षिण भारत से होकर भी हिन्दी भाषा में जबरदस्त दखल रखते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष बनने वाले दूसरे महादलित नेता हैं। 1971 में बाबू जगजीवन राम पहले अध्यक्ष बने थे। दो बार सांसद और 9 बार लगातार विधायक रहने वाले खड़गे ने 2009 गुलबर्गा लोकसभा चुनाव जीत लगातार दसवीं जीत हासिल की। 2014 में मोदी लहर के बावजूद वो गुलबर्गा लोकसभा चुनाव जीते। लेकिन 2019 में मोदी की सुनामी के आगे वो गुलबर्गा लोकसभा चुनाव हार गए। 12 चुनाव लड़ने के दौरान यह उनकी पहली हार थी।

अब देखना होगा कि इस दौर में जब मीडिया और सोशल मीडिया बेहद सशक्त है, मल्लिकार्जुन खड़गे काँग्रेस को कहां तक ले जा पाते हैं। आज भी कुछ को छोड़ तमाम काँग्रेसी दिग्गज बड़ी बहसों, जनसंवादों में नदारत दिखते हैं। अखबारों में लेख लिख जान फूंकने की कोशिशें तो दूर, टीवी के फ्रेम में आने से भी डरते हैं। लेकिन खुद को सत्ता से बाहर हुआ मानने को तैयार नहीं! व्यव्हार, आचरण में वही खनक वही रौब। जिनकी वार्ड चुनाव जीतने की औकात नहीं वो बड़े पदाधिकारियों की चाटुकारिता कर, विज्ञप्तिवीर बन संगठन में बरसों से काबिज हैं। क्या ऐसे चाटुकारों का भी हिसाब-किताब किया जाएगा? चंद हफ्तों बाद होने वाले हिमांचल और गुजरात चुनाव में काँग्रेस की स्थिति किससे छिपी है।

अंदर से खूबसुरत बनिये संसार आपकी पूजा करेगा

स्मार्ट दिखने के लिए लोग क्या नहीं करते ब्यूटी पार्लर जाते हैं, महंगे प्रीम पाउडर और ब्यूटी टिप्स को आजमाते हैं। सारे उपाय करने के बावजूद बढ़ती उम्र की निशानियों को उम्र की एक सीमा तक ही छिपा सकते हैं। अंत में खूबसूरती ढ़ल जाती है और जिस सुन्दरता पर लोग नाज करते हैं वह लोगों से दगा कर जाती है। इसलिए संतों और ज्ञानियों ने कहा कि रूप के धन पर इतराना नहीं चाहिए। सबसे उत्तम धन ज्ञान है और इसकी सुन्दरता दिन ब दिन बढ़ती जाती है। इसलिए बाहरी सुन्दरता को संवारने पर समय नष्ट करने की बजाय अंदर की सुन्दरता को निखारने का प्रयास करना चाहिए। व्यवहारिक जीवन में आपने देखा होगा कि किसी की सुंदरता को देखकर आपका मन चाहता होगा कि बार-बार उसे देखें। लेकिन जब आप उस रूपवान व्यक्ति के पास पहुंचते हैं उसके व्यक्तित्व को करीब से जानते हैं तो उससे नफरत होने लगती है। इसके विपरीत किसी कुरूप व्यक्ति को जब आप जानने लगते हैं उसके अंदर के गुण को समझने लगते हैं तो उस कुरूप व्यक्ति के प्रति लगाव और स्नेह बढ़ जाता है। देवी सीता के पिता महाराजा जनक के दरबार में हुई एक घटना इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। इनके शासन काल अष्टावप्र नामक एक विद्वान थे। अपने नाम के समान अष्टावप्र का पूरा शरीर टेढ़ा मेढ़ा था। एक बार यह महाराजा जनक की सभा में पहुंचे। ऊंचे आसन पर बैठे सभासद अष्टावप्र को देखकर हंसने लगे। महाराज जनक ने देखा कि सामने से अष्टावप्र पधार रहे हैं। इन्हें देखकर ही सभासद हंस रहे हैं। महाराज जनक अपने सिंहासन से उतरकर अष्टावप्र के पास पहुंचे। इन्हें आदर पूर्वक लाकर अपने सिंहासन पर बैठाया और सभासदों से कहा कि महात्मा अष्टावप्र के चरण धोने हेतु जल लेकर आएं।

भूखे पेट भजन कराने की कोशिश

निर्मल रानी

आयरलैंड और जर्मनी की ग़ैर-सरकारी संस्था कंसर्न वर्ल्ड वाइड एंड वेल्ट हंगर हिल्फ़ द्वारा वैश्विक स्तर पर भूखमरी को मापने वाली 2022 की रिपोर्ट ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2022 पिछले दिनों जारी की गयी। इस अनुक्रमणिका में कुल 121 देशों को शामिल किया गया है। बड़े आश्चर्य की बात है कि ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार,जो भारत सकल घरेलू उत्पाद अर्थात (जीडीपी) के मामले में ब्रिटेन को पीछे छोड़ता हुआ विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है,और अब चीन को पीछे छोड़ने की दिशा में अग्रसर है। वही भारत ग्लोबल हंगर इंडेक्स यानी (त॥ढ्ढ) की रिपोर्ट के अनुसार 107वें नंबर पर है? यानी इस रिपोर्ट के मुताबिक़ भारत के 22.4 करोड़ लोगों को कुपोषित माना गया है। अफ़ग़ानिस्तान इस सूची में 109वें स्थान पर है यानी भारत की स्थिति अफ़ग़ानिस्तान से केवल दो अंक बेहतर है अन्यथा अनुक्रमणिका में पाकिस्तान, बांग्ला देश,श्रीलंका और नेपाल जैसे पड़ोसी देशों की स्थिति भी भारत से बेहतर बताई गयी है। श्रीलंका को इस अनुक्रमणिका में 64वां स्थान हासिल है जबकि नेपाल 81वें स्थान पर और बांग्लादेश 84वें स्थान पर है। हद तो यह है कि पाकिस्तान जैसा मंहगाई, बेरोज़गारी, अस्थिरता, बाढ़ आदि समस्याओं से बुरी तरह जूझ रहा देश भी इस इंडेक्स में 99 वें स्थान पर रहकर अपनी स्थिति भारत से बेहतर बनाये हुये है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स (त॥ढ्ढ) वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर भूख को व्यापक रूप से मापने और उन पर नज़र रखने का एक माध्यम है। यह विशेषकर कुपोषण, शिशुओं में भयंकर कुपोषण, बच्चों के विकास में रुकावट और बाल मृत्यु दर जैसे चार संकेतकों के मूल्यों पर मापा जाता है। इस रिपोर्ट के अनुसार जिन 44 देशों की स्थिति अत्यंत ख़तरनाक स्तर पर है उन में भारत भी शामिल है। जबकि कुल 17 शीर्ष देश ऐसे भी हैं जिनका स्कोर 5 से भी कम है। ऐसे देशों में चीन, तुर्की, कुवैत, बेलारूस, उरुग्वे और चिली जैसे देशों के नाम शामिल हैं। हालांकि भारत सरकार की तरफ़ से इस रिपोर्ट को भूख को मापने का ग़लत तरीक़ा बताते हुये यह कहा गया है कि इस रिपोर्ट के द्वारा ÷भारत की छवि लगातार ख़राब किए जाने की कोशिश एक बार फिर नज़र आई है कि एक राष्ट्र के रूप में वह अपनी जनसंख्या की खाद्य सुरक्षा और पोषण की ज़रूरतों को पूरा नहीं कर सकता है। ये अनुक्रमणिका भूख को मापने का ग़लत तरीक़ा है और मापने के तरीक़ों के गंभीर मुद्दों से ग्रस्त है। इंडेक्स (अनुक्रमणिका) को मापने के चार तरीक़ों में से तीन तरीक़े सिर्फ़ बच्चों के स्वास्थ्य से संबंधित हैं और वह पूरी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकते हैं।÷भारत ने इस रिपोर्ट को पूर्वाग्रह से प्रेरित बताते हुये कहा है, ÷ये रिपोर्ट न केवल ज़मीनी हक़ीक़त से दूर है बल्कि जानबूझकर उन कोशिशों को नज़रअंदाज़ करने की कोशिश भी है जिसमें सरकार अपनी जनता को खाद्य सुरक्षा मुहैया करा रही है। ख़ासकर कोविड महामारी के दौरान जो मदद मुहैया कराई गई।÷ भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने अपने बयान में कहा है कि-भारत की प्रति व्यक्ति आहार ऊर्जा आपूर्ति हर साल बढ़ रही है और यह खाद्य एवं कृषि संगठन की फ़ूड बैलेंस शीट पर आधारित है। कई वर्षों से देश में प्रमुख कृषि वस्तुओं का उत्पादन लगातार बढ़ रहा है अतः देश के अल्पपोषण के स्तर में वृद्धि होने का कोई कारण नहीं है। सरकार ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी कई आवश्यक क़दम उठाए हैं, जिनमें दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम भी शामिल है। कोविड-19 महामारी के दौरान आर्थिक परेशानियां खड़ी होने के कारण सरकार ने मार्च 2020 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के तहत 80 करोड़ लाभार्थियों को मुफ़्त अनाज दिया। ÷प्रधानमंत्री ग़रीब कल्याण अन्न योजना के तहत सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 3.91 लाख करोड़ की खाद्य सब्सिडी के बराबर 1121 लाख मीट्रिक टन अनाज मुहैया कराया। अब इस योजना को दिसंबर 2022 तक के लिए बढ़ा भी दिया गया है।

आजाद हिंद फौज ने ब्रिटिश साम्राज्य को किया जमींदोज

सूडोकु नवताल- 6221

★★★★★ कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6220 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

हेमेन्द्र क्षीरसागर

1921-1941 में पूर्ण स्वतंत्रता के लिए अपने रुख के कारण नेताजी सुभाष चंद्र बोस को विभिन्न जेलों में 11 बार जेल की सजा हुई। उन्हें सबसे पहले 16 जुलाई 1921 को 6 महीने के कारावास की सजा दी गई। 1941 में एक मुकदमे के सिलसिले में उन्हें कलकत्ता की अदालत में पेश होना था, लेकिन वे किसी तरह अपना घर छोड़कर जर्मनी चले गए। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने जर्मनी पहुंचकर वहां के चांसलर हिटलर से मुलाकात की। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान वर्ष 1942 में भारत को अंग्रेजों के कब्जे से स्वतंत्र कराने के लिये आजाद हिन्द फौज नामक सशस्त्र सेना का गठन जापान मे किया गया। आजाद हिंद फौज के बनने में जापान ने बहुत सहयोग किया था। आजाद हिंद फौज में करीब 85000 सैनिक शामिल थे। इसमें एक महिला यूनिट भी थी जिसकी कैप्टन लक्ष्मी स्वामीनाथन थी। इस फौज में बर्मा और मलाया में स्थित भारतीय स्वयंसेवक भी भर्ती किए गए। पहले इस फौज में वे लोग शामिल किए गए, जो जापान की ओर से बंदी बना लिए गए थे। बाद में इस फौज में बर्मा और मलाया में स्थित भारतीय स्वयंसेवक भी भर्ती किए गए। साथ ही इसमें देश के बाहर रह रहे लोग भी इस सेना में शामिल हो गए। आजाद हिंद फौज के लोगों ने 1944 को 19 मार्च के दिन पहली बार झंडा फहराया था। राष्ट्रीय ध्वज फहराने वाले लोगों में कर्नल शौकत मलिक, कुछ मणिपुरी और आजाद हिंद के लोग शामिल थे।

सुभाष ने भारत की सरकार बनाई

21 अक्टूबर 1943 को सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिन्द फौज के सर्वोच्च सेनापति की हैसियत से स्वतन्त्र भारत की अस्थायी सरकार बनाई। जिसे जर्मनी, जापान, फिलीपीन्स, कोरिया, चीन, इटली, मान्चुको और आयरलैंड ने मान्यता दे दी। आजाद हिन्द सरकार की आजाद हिंद फौज ने बर्मा की सीमा पर अंग्रेजों के खिलाफ जोरदार लड़ाई लड़ी थी। जापानियों द्वारा ब्रिटिश सेना के अनेक सैनिक युद्ध बंदी बना लिए गए थे। उनमें एक सैनिक अधिकारी कैप्टन मोहन सिंह थे जिन्होंने भारतीय युद्ध बंदियों को संगठित करके फरवरी 1942 में आजाद हिंद फौज की स्थापना की। इस फौज की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य भारत की मुक्ति के लिए संघर्ष करना था। सुभाष चंद्र बोस 1943 में जापान पहुंचे तो रासबिहारी बोस ने आजाद हिंद फौज के संचालन का कार्य उनको सौंपा। सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज का नेतृत्व संभालने के पश्चात घोषणा की, ईश्वर के नाम पर मैं पवित्र शपथ लेता हूं कि मैं भारत को उसके 38 करोड़ लोगों को स्वतंत्र कर आऊंगा और मैं इस पवित्र युद्ध को अपने जीवन की अंतिम सांस तक जारी रखूंगा।

स्वतंत्र भूमि पर लहराया तिरंगा

इसके अतिरिक्त सुभाष चंद्र बोस ने %दिल्ली चलो% का नारा भी लगाया था। 1942 को रंगून से प्रस्थान कर बर्मा यानी म्यांमार में अंग्रेजों को पराजित करने के पश्चात भारत में प्रवेश किया। भारत की भूमि पर आजाद हिंद फौज ने युद्ध किए तथा अनेक बार ब्रिटिश सेनाओं को परास्त किया। बर्मा यानी म्यांमार भारत सीमा पार कर प्रथम बार 1942 ईस्वी में आजाद हिंद फौज ने भारत की स्वतंत्र भूमि पर तिरंगा लहराया। इसके पश्चात नागालैंड तथा कोहिमा पर भी अधिकार कर लिया, परंतु आगे उसे पराजय का मुंह देखना पड़ा। प्रचलित 1945 में एक वायुयान दुर्घटना में सुभाष चंद्र बोस के बलिदान की खबर मिली। इसी वर्ष अंग्रेजी सरकार ने आजाद हिंद फौज के प्रमुख सैनिकों- सहगल, डिल्लन, तथा शाहनवाज खान आदि पर मुकदमा चलाया। देशभर में उनकी रक्षा के लिए आवाज उठी, अतः ब्रिटिश सरकार को मजबूर होकर आजाद हिंद के सभी सैनिकों को मुक्त करना पड़ा जिससे भारतीय जनता में आजाद हिंद फौज के प्रति एक अपार निष्ठा की भावना बड़ी तथा भारत की नौसेना तथा वायु सेना को शासन के विरुद्ध विद्रोह करने की प्रेरणा मिली।

ब्रिटेन में उथल-पुथल

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

ब्रिटेन में आजकल कुछ ऐसा हो रहा है, जो दुनिया में किसी भी लोकतंत्र में कभी नहीं हुआ। ब्रिटेन में लगभग दो सौ साल पहले ऐसा तो हुआ है कि जार्ज केनिग नामक प्रधानमंत्री के निधन के कारण 119 दिन बाद ही नए प्रधानमंत्री को शपथ लेनी पड़ी थी लेकिन अब तीन माह में ही लंदन में तीन प्रधानमंत्री आ जाएं, ऐसा पहली बार होगा। अभी डेढ़ महिना ही हुआ है लिज़ ट्रस को प्रधानमंत्री बने हुए और उन्हें अब इस्तीफा देना पड़ गया। उनके पहले बोरिस जॉनसन ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दिया था। उनके कई मंत्रियों ने बगावत कर दी थी। उनके खिलाफ उन्होंने बयान देने शुरु कर दिए थे और एक के बाद एक उनके इस्तीफों की झड़ी लगने लगी थी। जॉनसन को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर उनकी कंजर्वेटिव पार्टी के सांसदों ने नहीं, ब्रिटेन की जनता ने आम चुनाव जिताकर बिठाया था। लेकिन लिज़ ट्रस को पार्टी के सांसदों ने चुनकर बिठा दिया था। उनकी टक्कर में जो उम्मीदवार थे, वे भारतीय मूल के ऋषि सुनाक थे। सुनाक ने जॉनसन के मंत्रिमंडल से इस्तीफा देकर उनकी कुर्सी को हिला दिया था लेकिन लिज़ ट्रस ने पहले दिन से अपनी कुर्सी को खुद ही हिलाना शुरु कर दिया था। उन्होंने ब्रिटेन की लंगड़ाती हुई अर्थ व्यवस्था को अपने पांव पर खड़े करने की जो घोषणा की थी, उसका मूल आधार था- टैक्स में भारी कटौती! उन्हें भरोसा था कि टैक्स में भारी कटौती से बाजारों में उत्साह का संचार होगा, उत्पादन बढ़ेगा, बेरोजगारी और मंहगाई घटेगी। जॉनसन के जमाने में जो मंदी आई थी, वह घट जाएगी। उन्होंने सरकार बनाते ही 50 बिलियन डॉलर की टैक्स-कटौती की घोषणा कर दी। यह घोषणा उन्होंने अपने वित्त मंत्री क्वासी क्वारतंग से करवाई। क्वारतंग को तीन हफ्तों में ही पद-त्याग करना पड़ा, क्योंकि सारा ब्रिटेन त्राहि-माम त्राहि-माम करने लगा। टैक्स-कटौती के कारण सरकार का खर्च कैसे चलता? उसने लोगों से बैंकों में पैसा जमा करने की अपील कर दी। जमा-पूंजी पर ब्याज घटने लगा, बेरोजगारी बढ़ गई, मंहगाई तेज हो गई, पाउंड की कीमत डॉलर के मुकाबले नीचे खिसकने लगी और सरकार के पास पैसे की आवक भी घट गई। बड़े-बड़े पूंजीपति तो टैक्स-कटौती से खुश हुए लेकिन आम लोग परेशान होने लगे। सत्तारुढ़ पार्टी के सांसदों को लगा कि 2025 के चुनाव में उनका सूपड़ा साफ हो जाएगा। असंतोष का ज्वालामुखी फूट पड़ा। पहले ट्रस ने अपने वित्तमंत्री को बाहर किया। अब नए वित्तमंत्री ने भी इस्तीफा दे दिया। अन्य मंत्री भी खिसकते नज़र आए। ब्रिटेन के सारे टीवी चैनल और अखबार भी ट्रस पर बरस पड़े। इसके पहले कि उनकी और ज्यादा बेइज्जती हो।

हर पंचायत का विकास मेरी पहली प्राथमिकताः भदोरिया

संतोष भदौरिया पुष्पांजली टुडे

गोरमी। गोरमी सर्कल के ग्राम हरीक्षा में भाजपा नेता प्रमोद भदोरिया ने नवनियुक्त जिला पंचायत अध्यक्ष कामना सुनील सिंह भदोरिया के सम्मान में स्वागत समारोह आयोजित किया गया कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष केपी सिंह भदोरिया विशेष अतिथि के रुप में पिछड़ा बर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष धर्मेंद गुर्जर जिला पंचायत सदस्य नरोत्तम पटेल जनपद सदस्य रमन सिंह भदौरिया महेश सिंह भदौरिया पूर्व मंडल अध्यक्ष गोकुल सिंह परमार सुरेश सिंह भदोरिया कुटरौली युवा छत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह भदोरिया लवली डॉ मुन्ना सिंह नरवरिया डॉ कोक सिंह भदौरिया आदि उपस्थित थे कार्यक्रम के प्रारंभ में कार्यक्रम के आयोजक प्रमोद भदोरिया एवं उनके सहयोगियों ने उपस्थित अतिथियों का साल एवं श्री पल के साथ स्वागत किया स्तर पर बतौर मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष केपी सिंह भदौरिया ने कहा कि हम लोगों का बड़ा सौभाग्य है कि आज पंचायत से लेकर प्रधानमंत्री तक भाजपा का बैठी है इसलिए अब हर पंचायत विकास की मुख्य धारा से जुड़ी जाएगी हर पंचायत में सामुदायिक भवन बनाए जाएंगे केंद्र एवं राज्य सरकार की

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगों को कैसे मिले इसकी पूरी कोशिश की जाएगी हमारा मुख्य उद्देश्य गांव गरीब किसान मजदूर के जीवन स्तर को ऊपर उठाना है इस अवसर पर उपस्थित अन्य अतिथियों ने भी अपने-अपने विचार रखे एवं प्रदेश एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों की ग्रामीणों को जानकारी दी कार्यक्रम के अंत में आभार प्रकट आयोजक प्रमोद भदोरिया मैं दिया कार्यक्रम में मुख्य रूप से सत्येंद्र भदौरिया रामवीर भदोरिया पूर्व सरपंच राजेश भदौरिया रोहित करैया डॉ वेद प्रकाश शर्मा रज्जन सिंह भदौरिया मुकेश सिंह भदोरिया आशीष भदौरिया बीपी भदौरिया कमलेश पटेल मंगल भदोरिया सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे।

जिला स्तरीय कविता प्रतियोगिता में मोहित सुमन को मिला द्वितीय पुरस्कार

अभिषेक कुशवाह पुष्पांजली टुडे

विदिशा सिरोंज। नेहरू युवा केंद्र के द्वारा जिला स्तरीय युवा उत्सव एवं युवा संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत कविता प्रतियोगिता में सिरोंज से मोहित सुमन को द्वितीय पुरस्कार मिला वही कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रतिभागी सम्मिलित हुए जिसमें निर्णायक के रूप में ब्रज सर एवं रेखा दुबे जी उपस्थित रहे

चितावर मंडल से युवा मोर्चा महामंत्री सुरेंद्र दांगी की बनाए जाने पर साथियों ने दी बधाई

अभिषेक कुशवाह पुष्पांजली टुडे

सिरोंज भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा चितावर मंडल से भाजपा के प्रति समर्पित रहने वाले कार्यकर्ता सुरेंद्र दांगी नरखेड़ा जागीर को महामंत्री बनाए गए हैं जिस पर उनके साथियों मे हर्ष व्याप्त है , एवं साथियों के द्वारा उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई 7

महेंद्र मुणोत श्रद्धालुओं को किया सम्बोधित

पुष्पाजंली टुडे

ब ं ग लु रू

ञ्जलगेरम्मा पूजा समिति द्वारा कंटीरवा स्टेडियम के पास आयोजित आठवें वार्षिकोत्सव समारोह में मुख्य अतिथी मारूति मेडीकल के प्रमुख महेंद्र मुणोत ने देवी की पूजा - अर्चना करके श्रद्धालुओं को संबोधित किया।इस कार्यक्रम में संस्था के पदाकारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

सुराजी अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

कांकेर। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं का घर पहुंच लाभ दिलवाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सुराजी अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। इस अभियान के तहत छुटे हुए पात्र हितग्राहियों का जाति प्रमाण पत्र बनाया जायेगा, फौती नामांतरण दर्ज कर निराकरण किया जायेगा। भूमिहिन परिवारों की पहचान कर उन्हे राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहिन कृशि मजदूर न्याय योजना के लाभान्वित किया जायेगा तथा नवीन राशन कार्ड बनाने एवं पुराने राशन कार्ड में नाम जोड़ने अथवा कटवाने के कार्य भी किये जायेंगे। पेंशन की पात्रता रखने वाले व्यक्तियों को सामाजिक सहायता कार्यक्रम के विभिन्न पेंशन योजना से लाभान्वित किया जायेगा। दिव्यांगजनों की पहचान कर उन्हें संबंधित योजना से लाभान्वित किया जायेगा। इस अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आज कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला की उपस्थिति में संयुक्त कलेक्टर श्री मनीष मिश्रा द्वारा जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, जनपद सीईओ, खाद्य विभाग के अधिकारी एवं निरीक्षक, समाज कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग और शिक्षा विभाग के अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया, जिनके द्वारा मैदानी स्तर के कर्मचारियों को प्रशिक्षण दी जायेगी। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें हितग्राहियों की पहचान कर लाभान्वित करने के लिए ग्राम स्तर पर डोर-टू-डोर सर्वे करने के लिए दल गठित करने तथा सर्वे पश्चात सूची का परीक्षण कर कार्यवाही करने के संबंध में विस्तार से जानकारी दिया गया। जाति प्रमाण पत्र के लिए प्रपत्र एवं दस्तावेज, फौती नामांतरण, राशन कार्ड एवं पेंशन योजना से लाभान्वित करने के लिए आवश्यक तैयारी के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना का लाभ उठाने से वंचित न हो, प्रतिदिन सर्वे किया जावे और साथ-साथ कार्यवाही भी किया जाये। प्रशिक्षण में अपर कलेक्टर एस. अहिरवार, एसडीएम भानुप्रतापपुर प्रतीक जैन, एसडीएम कांकेर धनंजय नेताम, एसडीएम चारामा सीएल ओंटी, एसडीएम अंतागढ़ के.एस. पैकरा सहित सभी तहसीलदार एवं जनपद सीईओ, खाद्य अधिकारी, उप संचालक समाज कल्याण तथा महिला एवं बाल विकास अधिकारी उपस्थित थे।

श्री ध्यानेंद्र सिंह (डिंपल) चौहान बने प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा।

संतोष भदौरिया पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर /क्षत्रिय महासभा के प्रदेश मीडिया प्रभारी संतोष सिंह भदौरिया द्वारा बताया गया कि श्री राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा अखंड भारत में आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सिटी एसपी ग्वालियर एनकाउंटर स्पेशलिस्ट श्री अशोक सिंह भदौरिया जी के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी कुंवर धर्मेंद्र सिंह राजावत जी ने प्रदेश की कार्यकारिणी को फेर बदल करते हुए पूर्व युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्री राजू सिंह सिकरवार को राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सदस्य और श्री ध्यानेंद्र सिंह चौहान जी की सक्रियता को देखते हुए युवा मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष मध्य प्रदेश का दायित्व सौंपा है। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री शोबरन सिंह तोमर जी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री योगेंद्र सिंह कुशवाह जी, प्रदेश संगठन मंत्री श्री विजय सिंह सिकरवार जी, प्रदेश सचिव श्री अशोक सिंह तोमर जी, प्रदेश उपाध्यक्ष रेखा परमार जी, प्रदेश संगठन मंत्री श्रीमती नीलम चौहान जी, प्रदेश प्रवक्ता श्री वेदप्रकाश सिंह राजावत जी, संभाग अध्यक्ष श्री शोभित सिंह चौहान जी, जिला अध्यक्ष श्री रामराज सिंह भदोरिया जी, जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा श्रीमती पुष्पा राजावत जी प्रदेश सह प्रभारी युवा मोर्चा पवन चौहान जी प्रदेश महामंत्री युवा मोर्चा आशु प्रताप सिंह राजावत जी, प्रदेश प्रमुख महासचिव युवा मोर्चा मोनू भदौरिया एवं संगठन की अन्य महिला एवं पुरुष पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी। युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर श्री ध्यानैन्द्र सिंह चौहान जी ने कहां जो जिम्मेदारी संगठन ने मुझे सोंपी है। पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करते हुए संगठन को मजबूत करते हुए संगठन के सभी वरिष्ठ एवं सभी युवा साथियों के साथ कार्य करता रहूंगा।

बृज मेमोरियल हायर सेकेंडरी विद्यालय के द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को किया स्वागत

अभिषेक कुशवाह पुष्पांजली टुडे

विदिशा सिरोंज स्टेयर्स फाउंडेशन मध्य प्रदेश द्वारा प्रदेश स्तरीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता आयोजित की गई थी जो कि 16 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2022 तक आयोजित की गई जिसमें आदर्श ताइक्कांडो क्लब सिरोंज के 29 खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें रेगुलर यानी कैटेगरी वर्ग मैं 18 खिलाड़ी और फ्रेशर वर्ग में 11 खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया।और अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए फ्रेशर वर्ग और कैटेगरी वर्ग दोनो को मिलाकर कुल 10 स्वर्ण 06 रजत और 11 कांस्य पदक प्राप्त किए।जिसमें कैटेगरी वर्ग में सब जूनियर बालिका वर्ग में वजन बर्ग अंडर 16 किलोग्राम में कु निमिषा जाटव पुत्री श्री रज्जू लाल जाटव ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

कैडेट बालिका वर्ग में कु विधि कुशवाह पुत्री श्री सरदार सिंह कुशवाह,वजन वर्ग अंडर 37 किलो ग्राम में स्वर्ण पदक प्राप्त किया वही कैडेट बालिका वर्ग में ही कुमारी कृतिका कोली पुत्री श्री फूलचंद कोली वजन वर्ग अंडर 46 किलोग्राम में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

इसी प्रकार जूनियर बालक वर्ग में अमीश नेमा पुत्र श्री जगदीश नेमा वजन वर्ग अंडर 45 किलो ग्राम में स्वर्ण पदक प्राप्त किया वही जूनियर बालक वर्ग में ही अनिकेत कुशवाह पुत्र श्री जगदीश कुशवाह वजन वर्ग, अंडर 48 किलोग्राम में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। अब यह पांचो खिलाड़ी जनवरी माह के प्रथम सप्ताह में दिल्ली के त्याग राज स्टेडियम में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। कैटेगरी वर्ग में रजत पदक प्राप्त करने वालों में सब जूनियर बालिका वर्ग में चतुर्वी सोनी, तेजस्विनी कुशवाह, समर्थ दिनकर और खुशबू अहिरवार शामिल है, वही कांस्य पदक पर कब्जा जमाने वालों में नवदीप जाट पलक धाकड़ श्रेया रघुवंशी रोहानिका राजपूत शाम यथापक रितु पंथी राखी साहू और तनिषा रघुवंशी शामिल हैं।

इसी प्रकार फ्रेशर वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों में कुमारी अंशिका पालीवाल पुत्री श्री प्रशांत जी पालीवाल, जयनित जाटव पुत्र श्री राजू लाल जी जाटव, सुब्रत जैन पुत्र जया जी जैन, आर्यन मालवीय पुत्र श्री अशोक जी मालवीय तनिष्क रघुवंशी पुत्र श्री मुकेश जी रघुवंशी शामिल है। और फ्रेशर वर्ग में ही रजत पदक प्राप्त करने वालों में कनिष्का पालीवाल पुत्री श्री प्रशांत पालीवाल और अश्मित नगीना शामिल है। वही कांस्य पदक प्राप्त करने वालों में अंश शर्मा, हृदयाश पटेल और नवदीप जाट शामिल है। प्रतियोगिता में विदिशा जिले से 52 खिलाड़ियों का दल शामिल हुआ था जिसमें सिरोंज के 29 खिलाड़ी शामिल थे और विदिशा के खिलाड़ियों के और सिरोंज के कुल मेडल मिलाकर विदिशा जिले का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता मुरैना में तीसरा स्थान बना था। इस प्रतियोगिता के लिए टीम के कोच की भूमिका में कुमारी निधि साहू और चिरंजीव राज नेमा प्रतियोगिता में उपस्थित रहे और मुख्य कोच की भूमिका श्री सरदार सिंह कुशवाह ने निभाई वही इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में आदर्श ताइक्कांडो क्लब सिरोंज के ही दीपक अहिरवार और विशाल कुशवाह ने मैच रेफरी की भूमिका निभाई। मुरैना से घर वापसी पर सिरोंज बस स्टैंड पर सभी खिलाड़ियों और कोचेस का सभी अभिभावक और सिरोंज के गणमान्य नागरिकों द्वारा स्वागत और फूल मालाओं से सम्मान कर और मिठाई खिला कर मुंह मीठा करवाया गया।

24 अक्टूबर को रहेगी दीपावली, मिट्टी के दीयों का विशेष महत्व

अभिषेक कुशवाह पुष्पांजली टुडे

विदिशा सिरोंज। दीपावली का त्योहार वैसे तो धनतेरस से शुरू हो जाता है। यह पांच दिवसीय त्योहार है। हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल कार्तिक मास की अमावस्या तिथि को दिवाली का त्योहार मनाया जाता है। इस साल दिवाली 24 अक्टूबर 2022 को मनाई जाएगी। दिवाली या दीपावली हिंदू धर्म का सबसे प्रमुख त्योहार है। इस दिन लोग अपने घर को दियों व लाइट से सजाते हैं और भगवान श्रीगणेश व माता लक्ष्मी की विधिवत पूजा करते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, कार्तिक मास की कृष्ण अमावस्या तिथि को दिवाली का त्योहार मनाया जाता है7

दीपावली 2022 कब है?

इस साल अमावस्या 24 अक्टूबर और 25 अक्टूबर दोनों दिन है। लेकिन 25 तारीख को अमावस्या तिथि प्रदोष काल से पहले ही समाप्त हो रही है, ऐसे

में 24 अक्टूबर को प्रदोष काल में दीपावली का त्योहार मनाया जाएहा। इस दिन निशित काल में अमावस्या रहेगी। इसलिए 24 अक्टूबर को ही दिवाली का त्योहार सर्वमान्य है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, इस साल दिवाली पर कुछ ऐसा संयोग बन रहा है कि नरक

चतुर्दशी या छोटी दिवाली भी इसी दिन है ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, 25 अक्टूबर को शाम 04 बजकर 29 मिनट से शुरू होकर 05 बजकर 24 मिनट तक सूर्य ग्रहण रहेगा। इससे 12 घंटे पहले ग्रहण का सूतक काल शुरू हो जाएगा। इस सूर्य ग्रहण का स्पर्श भारत

में दिन के 11.28 बजे हो जाएगा और करीब 07¬05 घंटा बाद शाम 5.24 बजे मोक्ष होगा। वही ग्रहण का सूतक 12 घंटा पूर्व यानि 24 अक्टुबर की रात 11¬28 बजे से ही लग जाएगा।

मिट्टी के दीपों का विशेष महत्वः आधुनिक दीपों की तुलना में देसी दीये

का अपना हो महत्व होता है, इसीलिए इन देसी दीयों की मांग होने पर कुम्हार जाति के सदस्य तैयार करते हैं, जिसमें लोग तेल और बाती डालकर दीपावली के दिन अधिक उपयोग करते हैं। दीपावली पर पूजा स्थल पर मोमबत्ती के दीये की अपेक्षा देसी दीयों में तेल डालकर बाती के साथ दीप प्रज्वलन का महत्व होता है। यही कारण है कि कुम्हार समाज के सदस्यों को देसी दीये तैयार करके अपनी खाली हाथ को काम देते हैं। उनका कहना है कि देसी दीये तैयार करने में सबसे पहले मिट्टी को तैयार करने में मेहनत करना पड़ती है यदि मिट्टी में छोटा भी पत्थर रहता है तो दिया खराब हो जाता है।

व्यापार में अभी तक नहीं आई तेजी : दीपावली का त्यौहार व्यापार की दृष्टि से महत्वपूर्ण त्योहार माना जाता है इस त्योहार पर सभी लोग जमकर खरीद दारी करते हैं, लेकिन दीपावली का त्यौहार नजदीक आता जा रहा है तो वही व्यापार ने अभी तक तेजी नहीं पकड़ी है इस संबंध में जब व्यापारियों से बात की गई उनका कहना था कि हर वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष व्यापार में मंदी समझ आ रही है

22 अक्टूबर से रहेगा शासकीय अवकाशः दीपावली का त्योहार धनतेरस प्रारंभ हो जाता है और इसी के चलते 22 अक्टूबर धनतेरस के दिन से ही 6 दिन का शासकीय अवकाश रहेगा , 28 अक्टूबर से विद्यालय एवं कार्यालय प्रारंभ हो सकेंगे 7

इनका है कहना – इस वर्ष हर वर्ष की अपेक्षा मंदी समझ आ रही है, जबकि कल धनतेरस है लेकिन अभी तक बाजार में तेजी देखने को नहीं मिली , इसका एक बड़ा कारण किसानों की फसल प्रभावित होना भी रहा है - विशाल रघुवंशी इलेक्ट्रॉनिक व्यापारी मिट्टी के दीए बनाना हमारा पैतृक काम है, यह हमारी आय का माध्यम है लेकिन आज इलेक्ट्रॉनिक सामान की ओर रुझान बढ़ा है, फिर भी लोग घरों में पूजा के लिए मिट्टी के दिए का इस्तेमाल करते हैं -

ओम प्रकाश प्रजापति

हमारे घरों में तो दीपावली का त्यौहार अच्छे से बनता ही है लेकिन आज भी कई परिवार ऐसे हैं जो आर्थिक तंगी के चलते ठीक से त्यौहार नहीं मना पाते हमारा ऐसा प्रयास रहता है कि हम शहर के आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों की मदद कर इस त्यौहार को मनाएं

- **डॉक्टर गोपाल प्रजापति**

चीतों के आने के बाद अब कूनो का दबा खजाना चर्चा में

विनोद पाठक ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

श्योपुर - कूनो नेशनल सेंक्चुरी चीतों अफ्रीकी को लेकर देश भर में चर्चा में आई थी। लेकिन अब कूनो सेंक्चुरी में दबे हुए खजाने की चर्चा चल रही है। यहां तक देश भर की मीडिया में यह खजाना छाया हुआ है। पालपुर राजघराने के राजवंशज गोपाल सिंह ने कहा है कि कूनो पालपुर गढ़ी स्थित किले में जेसीबी की खुदाई के दौरान खजाना (दफीना) निकला है। खजाने में दो सदियों से अधिक पुराने तांबे और चांदी के सिक्कों का एक बर्तन निकला है। अपुष्ट सुत्रों का कहना है कि खजाना पालपुर किले क्षेत्र के करीब जमीन के नीचे कुछ फीट दब गया था, लेकिन उन बाड़ों से कुछ दूरी पर है जहां नामीबियाई चीतों को छोड़ा गया था। वहीं डीएफओ पीके वर्मा ने का कहना है कि गढ़ी में हमने कोई खुदाई नहीं कराई है और नहीं कोई दफीना निकला है।

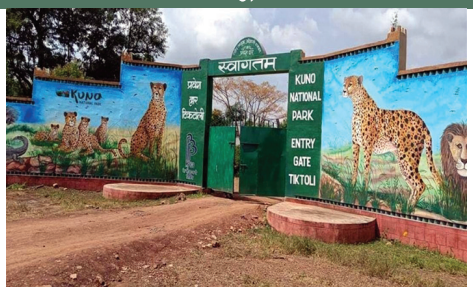

इस तरह आया है दबा हुआ खजाना चर्चा में

बुधवार को बर्तन मिला और मजदूरों ने आपस में सिक्के बांटे। उनमें से कई गुरुवार को काम पर नहीं आए। उनमें से कुछ ने तस्वीरें लीं और इसे व्हाट्सएप पर साझा किया जिसके बाद यह जंगल की आग की तरह फैल गई। राजघराने के वंशज गोपाल सिंह जादौन कहना है कि कूनो सेंचूरी स्थित गढ़ी में हाथी बाड़े के सामने वन विभाग द्वारा निर्माण कार्य के लिए जेसीबी से खुदाई कराई जा रही थी, खुदाई के दौरान दफीना निकला है, जिसमें हमारे पुरखों का खजाना है। मैं कल गढ़ी जाकर देखूगां। वन विभाग के अधिकारी इसको दबाने का प्रयास कर रहे हैं। मैं इस मामले को लेकर कोर्ट में जाउगां। उधर कूनो डीएफओ पीके वर्मा का कहना है कि, गढ़ी में कर्मचारियों के क्वाटर बने हुए जिनकी मरम्मत का काम चल रहा है। हमने गढ़ी में कोई खुदाई नही कराई है। दफीना निकलने जैसी कोई बात नही है।

कूनो सेंचुरी के मुख्य क्षेत्र में हैं किला

पालपुर राजवंश का किला कुनो अभयारण्य के मुख्य क्षेत्र में स्थित है, जहां 17 सितंबर को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चीतों को छोड़ा गया था। कुनो नदी के तट पर स्थित, किला - पालपुर गढ़ी, जैसा कि स्थानीय रूप से जाना जाता है, को पालपुर शाही परिवार द्वारा अपने पूर्ववर्ती %जागीर% के 24 गांवों के लोगों के साथ क्षेत्र के रूप में अधिसूचित किए जाने के बाद खाली करना पड़ा था। 1981 में वन्यजीव अभयारण्य बनने के बाद जब पालपुर परिवार के वंशजों ने मुआवजे की मांग की तो लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने अपनी सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा कि संपत्ति 100 साल से अधिक पुरानी थी और इसका शून्य मूल्य था। इस रिपोर्ट के आधार पर मुआवजे से साफ इनकार कर दिया गया था। पालपुर राजघरानों, जिन्हें अपना किला और 260 बीघा भूमि खाली करनी पड़ी थी, जब कुनो को गिर शेरों के स्थानांतरण के लिए एक अभयारण्य घोषित किया गया था।

चौकी हिम्मतपुर थाना पिछोर पुलिस की बड़ी कार्यवाही 1200 लीटर अवैध लहान व हाथ भट्टी सहित जप्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया

राकेश परिहार पुष्पांजली टुडे

पिछोर, चौकी हिम्मतपुर थाना पिछोर पुलिस की बड़ी कार्यवाही 1200 लीटर अवैध लहान व हाथ भट्टी की कच्ची शराब तथा शराब बनाने के सामान सहित जप्त कर एक आरोपी पकड़ा पुलिस अधीक्षक शिवपुरी राजेश सिंह चंदेल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार भूरिया के निर्देशन में एवं एसडीओपी पिछोर दीपक तोमर के मार्गदर्शन में आज दिनांक 20/10/22 को थाना प्रभारी पिछोर गब्बर सिंह गुर्जर के नेतृत्व में ऑपरेशन प्रहार के तहत अवैध शराब विरोधी अभियान के अंतर्गत आज चौकी हिम्मतपुर थाना पिछोर पुलिस ने ग्राम करारखेड़ा के जंगल में बने अवैध शराब बनाने के अड्डों पर छापा मारकर 1200 लीटर शराब बनाने का गुण का लहान व भटी नष्ट की यह लोग भारी पैमाने पर बेचने के लिए शराब तैयार कर रहे थे लेकिन पुलिस ने शराब बनाने के अडे नष्ट कर दिए तथा आरोपी हनुमत सिंह पुत्र जगदीश सिंह चौहान उम्र 50 वर्ष निवासी करार खेड़ा के कब्जे से अवैध रूप से हाथ भट्टी कच्ची शराब 10 लीटर जप्त की गई व आरोपी के विरुद्ध थाना पर आबकारी एक्ट का अपराध कायम किया गया है अवैध शराब बनाने वालों के विरुद्ध है यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी पिछोर गब्बर सिंह गुर्जर चौकी प्रभारी हिम्मतपुर नितिन भार्गव एसआई अरविंद सिंह जाट , एसआई अमर लाल बंजारा, चरण सिंह, जहान सिंह, दीपक चौहान ,प्रतिपाल सिंह चौहान हीरालाल पाल, राजेंद्र यादव, हरीश जाट, सैनिक सिरनाम की सराहनीय भूमिका रही।

शहीदों को श्रद्धांजलि देकर मनाया गया पुलिस स्मृति दिवस ।

अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजली टुडे

शिवपुरी-पुलिस स्मृति दिवस प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को मनाया जाता है। पुलिस स्मृति दिवस के महत्व के बारे में सीआरपीएफ की बहादुरी का एक हिस्सा है। गौरतलव है कि आज से 62 वर्ष पहले 21 अक्टूबर 1959 में लद्दाख में तीसरी बटालियन की एक कम्पनी को भारत तिब्बत सीमा की सुरक्षा के लिये लद्दाख में ''हाट स्प्रिंग'' में तैनात किया गया था। कम्पनी को टुकड़ियों में बांटकर चैकसी करने को कहा गया जब बल के 21 जवानों का गस्ती दल हाट स्प्रिंग में गस्त कर रहा था तभी चीनी फौज के एक बहुत बडे दस्ते ने इस गस्ती टुकडी पर घात लगाकर आक्रमण कर दिया, तब बल के मात्र 21 जवानों ने आक्रमणकारियों का डटकर मुकाबला किया। मातृभूमि की रक्षा के लिये लडते हुये 10 सूरवीर जवानों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। हमारे बल के लिये व हम सब के लिये यह गौरव की बात है कि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के इन बहादुर जवानों के बलिदान को देश के सभी केन्द्रीय पुलिस संगठनों व सभी राज्यों की सिविल पुलिस द्वारा पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। आम जनता को पुलिस स्मृति दिवस के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी प्रदान करने जिससे जनता में सेनिकों के प्रति सम्मान व समर्पण के भाव पनपें। जिससे सैनिकों का मनोबल ऊंचा रहे। सम्पूर्ण भारत वर्ष में जिला पुलिस मुख्यालय एवं केन्द्रीय पुलिस बल के वाहिनी मुख्यालय के देश की आन्तरिक सुरक्षा व्यवस्था , कानून व्यवस्था एवं अपराधो पर नियंत्रण के दौरान कर्तव्य की बलिवेदी पर कई पुलिस के सेनिक शहीद हुये हैं। जिनमें कुछ सैनिक मध्यप्रदेश से हैं, इन अधिकारियों एवं कर्मचारियों की शहादत को नमन हेतु प्रत्येक वर्ष की तरह आज भी पुलिस लाइन शिवपुरी में शहीद जवानों की याद में स्मृति दिवस मनाया । देश की एकता, अखंडता, आन,बान और शान को बनाये रखने के लिए इन कर्मचारियों एवं अधिकारियों द्वारा अपने प्राणों की आहुति देकर उत्कृष्ट कर्तव्य परायणता का प्रदर्शन किया गया है । इस अवसर पर डीजे शिवपुरी श्री दीपक गुप्ता, कलेक्टर शिवपुरी श्री अक्षय कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री राजेश सिंह चंदेल, आईबी. जेडीडी. श्री सहदेव सिंह, डीएफओ. मीना मीश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण कुमार भूरिया, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति गायत्री शर्मा, एडीएम श्री उमेश शुक्ला, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री राजू बाथम, जिले के समस्त एसडीओपी, सामाज सेवी श्री आलोक इंदोरिया, रक्षित निरीक्षक, शहर के समस्त थाना प्रभारी, पुलिस अधीक्षक कार्यलय एवं पुलिस लाइन शिवपुरी के आधिकारी कर्मचारी, उपस्थित रहे ।

कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ की हड्डी है :- बरुआ

पिछोर भाजपा का मिशन 2023 के लिए विधानसभा प्रभारी शैलेन्द्र बरुआ ने ली बैठक

संवाददाता हरिओम परिहार पुष्पांजली टुडे

पिछोर-आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भाजपा के पिछोर विधानसभा प्रभारी शैलेन्द्र बरुआ ने पिछोर विधानसभा के पिछोर बामोर खनियाधाना मंडलो की बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी कार्यक्रम और उनकी तैयारियों को लेकर चर्चा की। गुरुवार को पिछोर विधानसभा की प्रवास पर आए पूर्व संभागीय संगठन मंत्री व वर्तमान पाठ्य पुस्तक निगम की अध्यक्ष राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त शैलेन्द्र बरुआ ने पिछोर विधानसभा के सभी मंडलों के पदाधिकारियों बैठक के सम्बंध ने बताया कि यह बैठक आगामी विधानसभा चुनाव के रोडमैप का हिस्सा है। बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रम व संगठन के पदाधिकारियों को उनके कार्यो के बारे में बताया गया। उन्होंने बताया कि भाजपा आगामी विधानसभा चुनावों लिए पूरी तरह से तैयार है और अब लगातार पार्टी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सभी को उनके कार्यो और भूमिका का निर्वहन करने के बारे में बताया गया है। उनके साथ में मौजूद जिला मंत्री भाजपा न मनीष अग्रवाल ने बताया कि भाजपा में नीति, नियत व नेतृत्व है। भाजपा में अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति को भी प्रत्याशी बनाया जा सकता है जो सिर्फ भाजपा में ही संभव है। वहीं पूर्व मंत्री भैया सब लोधी ने कहा कि भाजपा सर्वसमाज की पार्टी है। सदस्य संख्या के मामले में हम बहुत आगे हैं। विधानसभा चुनाव में इस बार भी सफलता हासिल करनी है। यह तभी संभव है जब कार्यकर्ता पूरी ईमानदारी के साथ अभी से चुनाव की तैयारी में जुट जाएं। बैठक में मुख्य रुप से मंडल अध्यक्ष सत्यप्रकाश भरदेलिया,पिछोर मंडल अध्यक्ष राहुल रहोरा बामोर मंडल अध्यक्ष उदय यादव रामकृष्ण पाराशर, युवा मोर्चा अध्यक्ष विवेक यादव, मंडल उपाध्यक्ष, किसान मोर्चा अध्यक्ष सुरेंद्र कोठादार रमाकांत पाठक मंडल महामंत्री बृजेंद्र चौबे, मंडल उपाध्यक्ष मयंक सिंघई, रहीश यादव, मंडल महामंत्री जितेंद्र पुरोहित आदि लोग मुख्य रूप से शामिल हुए

अग्रवाल समाज मधुसुदनगढ़ एवं जिला राजगढ़ के वरिष्ठ साथियों के साथ हुईं बैठक

रिर्पोटर -प्रतिश अग्रवाल पुष्पांजली टुडे

मधुसुदनगढ़-ः अग्रवाल समाज अध्यक्ष गिर्राज अग्रवाल राजगढ़ जिले के जिला अध्यक्ष महेश अग्रवाल सुठालिया एवं ब्यावरा के वरिष्ठ साथियों के साथ बैठक हुई जिसमें आपसी बात चीत में अग्रवाल समाज मधुसुदनगढ़ को जिला अग्रवाल महासभा को राजगढ़ के साथ जोड़ने एवं आगामी होने वाले कार्यक्रमों में साथ रहने सहभागिता होने पर अग्रवाल समाज मधुसुदनगढ़ ने सहमति व्यक्त की इससे अग्रवाल समाज में हर्ष व्याप्त है। नगर पंचायत उपाध्यक्ष कौशलेंद्र अग्रवाल, अग्रवाल समाज अध्यक्ष गिर्राज अग्रवाल,ब्रजेश बंसल,मनोज अग्रवाल, जगदीश अग्रवाल,दुर्गा मंगल,राधेवल्लभ मंगल, सत्यनारायण मंगल,बीरेंद्र अग्रवाल,पियूष बंसल,अंकित बंसल,अमित बंसल,लालू बंसल,अश्विनी अग्रवाल,विवेक अग्रवाल,धर्मेंद्र अग्रवाल,पवन मित्तल,आदि जन उपस्थित रहे।

मामला: जिलेटिन आदि के फर्जी बिल से राशि पास कर शासन को करोड़ों की चपत लगाने का

खबर का असर

सीईओ जपं विजयपुर सहित 20 पर अधिकारी कर्मचारियों को कलेक्टर ने दिया नोटिस

अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजली टुडे

विजयपुर - खबर श्योपुर जिले के जनपद पंचायत विजयपुर के सीईओ बलवीर सिंह कुशवाह सहित करीब 20 अधिकारी कर्मचारियों को कलेक्टर ने नोटिस जारी किया है। नोटिस में पूछा गया है कि फर्जी बिल लगाकर राशि का आहरण करते हुए शासन को करोड़ो की चपत लगाने संबंधी मामला एसडीएम विजयपुर की जांच में सही पाया गया है, इसपर से विजयपुर थाने में धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में जो मामला दर्ज किया गया है, उसको लेकर आपके खिलाफ वैधानिक और सेवा समाप्ति की कार्रवाई क्यों न की जाए, यह जवाब समयावधि में दें। मीडिया द्वारा प्रेशर देने पर बहुत ही मुश्किल में यह द्व.द्व.ह्ल. हुई है जिसके बावजूद भी अभी तक गिरफ्तारी नहीं करी गई है संबंधित अधिकारियों को फोन लगाने पर या तो वह फोन रिसीव नहीं करते या गोलमोल जवाब देकर टाल देते हैं अनिल कुशवाह पुष्पांजलि टुडे के प्रदेश मीडिया प्रभारी द्वारा संबंधित मामले की बार-बार शिकायत की जाने पर ना के बराबर कार्यवाही की जा रही है अभी हाल ही में जब कलेक्टर के नोटिस के बाद से जनपद पंचायत विजयपुर में हड़कंप की स्थिति है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेश शुक्ल ने बताया है कि विभिन्न जनपद पंचायतों में जिलेटिन के नाम पर फर्जी तरीके से बिलों को प्रस्तुत किया गया है। उनको पास करते हुए उनको भुगतान करके राशि को खुर्द बुर्द किया जाना, एक शिकायत की जांच एसडीएम विजयपुर ने करते हुए सही पाया है। इसपर से मुख्य कार्यपालन अधिकारी बलवीर सिंह कुशवाह, दीपक कटारिया, सहायक लेखा अधिकारी मनरेगा, प्रियंका जादौन, उपयंत्री आरती सेंगर, उपयंत्री जनपद पंचायत विजयपुर एवं कमलेश रावत सचिव ग्राम पंचायत मेवरा, सोनेराम रावत सचिव, मेघनाथ रावत ग्राम रोजगार सहायक ग्राम पंचायत चरदुला, उपेंद्र श्रीवास्तव सचिव, बंटी कुशवाह वर्मा ने नोटिस दिया है। ग्राम रोजगार सहायक, ग्राम पंचायत सुनवाई, मुकेश कुशवाह सचिव, दिलीप शाक्य ग्राम रोजगार सहायक ग्राम पंचायत मढ़ा, राजेश जादौन, सचिव, ग्राम पंचायत गोहरा, प्रदीप जादौन, ग्राम रोजगार सहायक ग्राम पंचायत विचपुरी, मोहन लाल शर्मा, ग्राम रोजगार सहायक ग्राम पंचायत गोहरा, भानू मेवरा, ग्राम रोजगार सहायक ग्राम पंचायत मेवरा पर विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज हुआ है। इसी पर से इन्हें कलेक्टर शिवम

माननीय क्षेत्रीय विधायक जी द्वारा दिया जा रहा है दीपावली का उपहार रन्नौद में अब तक 1000 से

संवादाता हरिओम परिहार पुष्पांजली टुडे

अधिक चूल्हे की वितरण

माननीय क्षेत्रीय विधायक जननायक जिन्हें हर एक शासन की जनहित योजनाओं का संचालन अपने कोलारस विधानसभा में प्रत्येक व्यक्तियों को पहुंचाने का प्रयास किया और लगभग लगभग सभी विभागों की जन हित योजनाओं संचालित की संपूर्ण लाभ प्रदान किया जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना कोलारस विधानसभा में शत-प्रतिशत गरीब आदिवासियों एवं अन्य बीपीएल भाइयों को प्रदान किया गया एवं संबल योजना एक असंगठित मजदूरों के लिए योजना बनाई गई जो ऐसी मध्य प्रदेश की कई विभाग में जिनका लाभ माननीय विधायक साहब द्वारा प्रत्येक व्यक्ति को दिलाया गया है और अब वर्तमान में माननीय विधायक साहब ने किसानों की समस्या को देखते हुए भारतवर्ष में गाय को मां कहा जाता है और उनको एक उचित स्थान दिया गया है गोधाम का निर्माण कर हजारों की संख्या में गौ माता के लिए भोजन पानी की व्यवस्था कराई गई जिससे कई एक्सीडेंट एवं विद्युत ट्रांसफर ओं में गायों की मौत हुई है एवं किसान भाइयों की फसल बर्बादी से बचाई गई है जिसके चलते माननीय विधायक साहब को किसानों द्वारा कई बार इस मुद्दे उठाए गए हैं गायों की लेकिन मध्यप्रदेश की 230 विधायक में से हमारे माननीय क्षेत्रीय विधायक द्वारा अपने कार्य क्षेत्र में 1000 गौशालाओं के लिए सर्वप्रथम गौ सेवा धाम का निर्माण किया गया है जिसमें 1000 गौशाला में उनका पालन किया जा रहा है उचित व्यवस्था के साथ संपूर्ण गौशाला का निर्माण किया गया है जिसका गौ सेवा समिति के अध्यक्ष स्वयं विधायक जी हैं और गौशाला गोद ली गई है जिसके उनकी जिम्मेदारी कई गुना बढ़ गई हैं निरंतर प्रयास करने से आज उसका संपूर्ण कोलारस विधानसभा में एवं किसानों के बीच में पॉजिटिव मैसेज गया हुआ है जिससे हर एक माननीय विधायक जी के कार्य की प्रशंसा निरंतर की जा रही है इसके चलते दीपावली के त्यौहार पर माननीय विधायक साहब ने अपने निजी खर्चे से ऐसे गरीब आदिवासी परिवारों के लिए जो गैस सिलेंडर समय समय पर नहीं भरवा सकते और अपने जीवन यापन करने के लिए उन्हें लकड़ी का सहारा लेना पड़ता है तो आधुनिक तकनीक से लैस गुणवत्ता वाले कम ईंधन में अधिक चलने वाले क्योंकि माननीय विधायक साहब ने अपने कोलरस विधानसभा के प्रत्येक गांव में पहुंचाने के लिए संकल्प लिया और आज 1 हफ्ते के मेंनगर परिषद में के सभी वार्डों में एवं आदिवासियों में 1,000 से अधिक चूल्हे का वितरण कर दिया गया है माननीय विधायक साहब के आदेश अनुसार क्षेत्रीय भाजपा नेता एवं माननीय विधायक जी के प्रतिनिधियों द्वारा उपस्थित होकर सूचीबद्ध तरीके से प्रत्येक घर जाकर डोर टू डोर आधुनिक चूल्हे का वितरण किया गया है जिसमें भूमिका निभाने वाले क्षेत्रीय विधायक के प्रतिनिधि रन्नौद श्री राजेश केवट पूर्व जिला पंचायत सदस्य वार्ड क्रमांक 10 जनसेवा समस्या निवारण के संचालक, एवं नगर परिषद अध्यक्ष श्री जमुना प्रसाद कुशवाहा जी युवा मोर्चे के मंडल अध्यक्ष श्री पंकज शर्मा,महिला मोर्चा के मंडल अध्यक्ष रश्मि की अकझिरी एवं जयपाल राय जी एवं श्याम कुशवाहा जी एवं नारायण सिंह कुशवाह जी उमेश शर्मा जी राजू का काजी अन्य सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने माननीय विधानसभा क्षेत्र में अपना भरपूर योगदान दिया है

भारत चीन के बीच 1962 में हुए युद्ध में चीन के द्वारा कब्जा की गयी भारत की भूमि को बापिस लेने (मुक्त कराने) के संदर्भ में भारत तिब्बत मंच के पदाधिकारियों ने दिया ज्ञापन

अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे

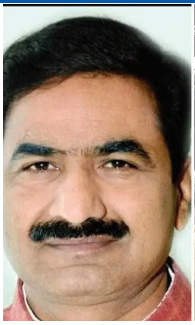

शिवपुरी-खबर शिवपुरी जिला मुख्यालय कलेक्ट्रेट परिसर से है जहाँ भारत तिब्बत मंच के पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देते हुए बताया की चीन द्वारा हिंदी चीनी भाई भाई नारे की पूर्ण रूप से अवहेलना करते हुए एवं भारत चीन के बीच संपन्न हुए पंचशील समझौते की धज्जियां उडाते हुए चीन ने अपने नापाक मंसूबों को अंजाम देने हेतु 20 अक्टूबर 1962 को भारत की पवित्र भूमि पर आक्रमण कर दिया। इस हमले में भारतीय सेना ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए चीनी सेना की नको चने चबबा दिये इस युद्ध में काफी संख्या में भारतीय सैनिको का बलिदान भी हुआ किंतु सैनिको के बलिदान के बाबजूद चीन ने भारत के भारत के बहुत बडे भू भाग पर कब्जा कर लिया। चीन द्वारा कब्जा की गयी भारत भूमि को मुक्त कराने के लिए 14 नवंबर 1962 को भारतीय संसद के दोनो सदनों द्वारा संकल्प लिया गया किंतु उस संकल्प पर अभि तक कोई अम्ल नही किया गया है। संसद को इस संकल्प का स्मरण दिलाने हेतु राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं भारत तिब्बत सहयोग मंच के मार्ग दर्शक माननीय इंद्रेश कुमार जी के नेतृत्व में संचालित मंच की सभी ईकाइयां देशभर में 14 नवंबर को संकल्प दिवस के रूप में मनाती है तथा इस संदर्भ में आपसे विनम्र निवेदन है कि चीन द्वारा कब्जा की गयी भारत की भूमि वापस लेने के लिए आप संसद में आयज उठाये एवं इस कार्य हेतु उचित वातावरण बनाने की कृपा करें इसके लिए मंच सदैव आपका आभारी रहेगा। भारत मां की रक्षा स्वाभिमान एवं अत्म सम्मान की आकक्षा हर भारत वासी के मन में है। देश वासियों की इस इच्छा को पूर्ण करने में आप अपना सर्वश्रेष्ठ सहयोग एवं समर्थन देने की कृपा करें। आपकी अति कृपा होगी इन्ही उम्मीदो एवं आकांक्षाओं के साथ।

काली माता मंदिर प्रांगण पर जनसुनवाई मे सुनी किसानो की वरिष्ठ भाजपा नेता एवं जनसेवक श्री मोहन सिंह राठौर जी ने समस्या सुनी

भितरवार विधानसभा के लोगों ने सुनाई अपनी पीड़ा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भितरवार। केंद्र और राज्य सरकार की महत्वकांक्षी जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हितग्राहियों को लाभ दिलाने एवं आमजन की बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि तमाम-तरह की मूलभूत सुविधाओं में आ रही समस्याओं को दूर करने के लिए शुक्रवार की सुबह 11ः00 बजे से दोपहर 2ः00 बजे तक नगर के काली माता मंदिर प्रांगण पर जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जिसमें 120 आवेदन प्राप्त हुए जिनका निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर निराकरण कराया गया। आयोजित जनसुनवाई मैं अधिकतर मामले बिजली संबंधी आए तो वही सरकार की महत्वकांक्षी योजनाओं के पात्र होने के बाद भी हितग्राहियों को योजनाओ का लाभ नहीं मिल सका पिछले कई महीनों से सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे थे लेकिन क्षेत्र के तमाम ऐसे लोग हैं जो शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए पात्र हैं लेकिन उन्हें योजनाओं की सही जानकारी नही है। जिसके कारण वह लाभ से वंचित हो जाते हैं। तो कई कार्यालयों में उनकी सुनने वाला कोई नहीं है, ऐसी स्थिति को देखते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी एवं केंद्रीय मंत्री श्री मंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी के निर्देश पर जनसुनवाई का आयोजन किया जा रहा है। वहीं उन्होंने बताया कि महीने के पहले शुक्रवार को घाटीगांव विकासखंड तहसील कार्यालय पर एवं दूसरे शुक्रवार को चीनौर तहसील कार्यालय एवं तीसरे शुक्रवार को नगरीय क्षेत्र भितरवार के तहसील कार्यालय पर जनसुनवाई का आयोजन निर्धारित किया गया है। जहां बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य के अलावा आमजन की पारिवारिक समस्याओं के साथ ही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की सुनवाई कर उनका मौके पर ही निराकरण किया जा रहा है। जो जटिल समस्या है उनका निराकरण संबंधित विभागों के माध्यम से 1 माह के अंदर पात्रता के आधार पर कराया जा रहा है। आयोजित जनसुनवाई में भितरवार नगरीय क्षेत्र के अलावा ग्रामीण क्षेत्र के लोग अपनी समस्या लेकर पहुंचे उनकी समस्याओं का विधिवत तैनात भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा पंजीयन किया गया तत्पश्चात प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए! संबंधित विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर निराकरण कराया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुको को कराया गया गृहप्रवेश

आनंद शाही पुष्पांजली टुडे

हजारीबाग। नगर निगम हजारीबाग क्षेत्र में बन रहे में प्रधानमंत्री आवास योजना घटक 3 कोलघट्टी (परियोजना,ll क्क)

के लाभुको को गृहप्रवेश कराया गया। हजारीबाग नगर निगम के नगर आयुक्त एवं माननीय महापौर द्वारा वार्ड पार्षद की उपस्थिति में धनतेरस तथा दीपावली को देखते हुए द्वितीय चरण में 29 लाभुकों को *निर्मित आवास की चाबी वितरण का कार्यक्रम* किया गया। दिनांक 30.09 .2022 को प्रथम चरण में 18 लाभुको को गृहप्रवेश कराया गया था। जिसमे 14 लाभुकों को कैनरा बैंक ने लोन दिया है।विदित हो आवास की लागत 6.14 लाख रुपये है। प्रथम चरण में कुल 18 लाभुको को चाभी दी, गयी जिन लाभुको द्वारा अंशदान 3.64 लाख रुपये दे दिए गए। जिसमे केनरा बैंक हजारीबाग द्वारा 14 लाभुको को लोन दिए गए है । नगर आयुक्त ने जुडको तथा संवेदक को 15 नवंबर स्थापना दिवस तक सभी 47 लाभको को बिजली,पानी उपलब्ध कराने को कहा है।नगर आयुक्त ने विद्युत विभाग के पदाधिकारि को मैन रोड से यथाशीघ्र पोल लगाकार ट्रांसफार्मर स्थापित करने को कहा। उपरोक्त कार्यक्रम में नगर निगम हजारीबाग के पी एम ए वाई आवास योजना के नोडल पदाधिकारी सह टाउन प्लानर श्री आलोक नारायण, श्री राजेन्द्र कुमार साथ मे निगम के पी एम सी श्री प्रियरंजन,श्री मुकेश,श्री अविनाश कुमार,श्री मुकुल सहायक श्री मनोज आदि उपस्थित थे। नगर आयुक्त ने नोडल पदाधिकारी सह टाउन प्लानर श्री आलोक नारायण को 15 नवंबर तक ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट उपलब्ध कराने को कहा।बाकी बचे लाभुको को लोन दिलाने में नगर निगम द्वारा बैंको से सम्पर्क कर सहयोग किया जा रहा है।

शिक्षा की ज्योति अनवरत जलती रहे

दैनिक पुष्पांजली टुडे

मुम्बई ःनशामुक्त समाज व शिक्षा के प्रति सकारात्मक सोच के धनी व युवाजोश गाँव धणा, हाल विरार से जयेश भायल ने आज अपने स्वर्गवासी

पिताजी ताराराम भायल की चतुर्थ पुण्यतिथि पर शिक्षा मे नेक व सकारात्मक पहल करते हुए इक्किसौ रूपये सीरवी विकास संस्थान परगना सुमेरपुर मे शिक्षा मे सहयोगार्थ शिक्षा फंड मे जमा करवाकर बहुत ही प्रशंसनीय व प्रेरणादायी पुण्य का काम किया है! आपका यह सराहनीय सहयोग समाज के जरूरत मंद विद्यार्थियों मे बुक वितरण, आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की फीस भरने व होनहार प्रतिभाओ का हौसला बढायेंगे। आपने विरार वडेर के अध्यक्षिय काल मे मानव सेवा व समाजहित मे सराहनीय काम किये हैं, आप सीरवी विकास संस्था परगना सुमेरपुर के कार्यकारिणी सदस्य है! आपको उज्जवल भविष्य की ढेर सारी हार्दिक शुभकामनाएं। मां आईजी का आशीर्वाद आप व आपके परिवार को हमेशा मिलता रहे। आपके स्वर्गवासी पिताजी की चतुर्थ पुण्यतिथि पर शत् शत् नमन, भावपूर्ण श्रद्धांजलि। आप पर सदा पिताजी का आशीर्वाद बना रहे।आपने अपने पिताजी की तृतीय पुण्यतिथि पर भी शिक्षा फंड मे पांच हजार रूपये का सहयोग दिया था। इसके लिए सीरवी संस्थान परगना सुमेरपुर की ओर से जयेश भायल को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया ओर आभार व्यक्त किया ।

धर्मेंद्र डेयरी जगन्नाथ पुरा पर गोहद चोराहा पुलिस व फूड विभाग की दबिश मिलावटी मावा , घी तथा पामोलीन ऑयल बरामद

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे

गोहद। शासन द्वारा विभिन्न खादयपदार्थों में मिलावट को रोकने हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान ,श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश खरपूसे तथा एसडीओपी गोहद सौरभ कुमार के निर्देशन में गोहद चौराहा पुलिस व फूड विभाग द्वारा कल देर रात्रि धर्मेंद्र डेयरी जगनंथापुरा पर दी दबिश मौके पर मिला रिफाइंड पामोलीन ऑयल जिसकी मदद से किया जा रहा था मावा तैयार 06 ड्रम क्रीम ,1 ड्रम में भरा लगभग 100 किलो घी , पामोलीन से तैयार मावा , पामोलीन ऑयल के कुछ भरे कुछ खाली टीन,मौके से मिले थाना प्रभारी गोहद चोराहा रविंद्र शर्मा, उप निरीक्षक उपेन्द्र धाकड़ व बल के सहयोग से फूड अधिकारी अवनीश गुप्ता ,रीना बंसल, व रेखा सोनी ने खाद्य सुरक्षा व मानक अधिनियम के तहत कराई मौके पर ही सैंपलिंग प्रथम दृष्टया डेयरी परिसर में पामोलिन रिफाइंड ऑयल मिलने से डेयरी संचालक धर्मेंद्र पुत्र मान सिंह सिसोदिया निवासी ग्राम जगन्नाथपुर थाना जिला भिंड के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा अधिकारी कुमारी रेखा सोनी कि शिकायत पर धारा 420, 272, 273 भादवी के तहत अपराध पंजीबद्ध कराया गया।

दलित युवक के हत्या के आरोपियों की गिरफ़्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन

आनंद शाही पुष्पांजली टुडे

हज़ारीबाग। केरेडार प्रखण्ड के पचड़ा निवासी दलित युवक सीटन भुइयां हत्याकांड के संलिप्त आरोपियों की गिरफ़्तारी व पीड़ित परिवार की न्याय की मांग को लेकर अखिल भारतीय

भुइयां समाज के द्वारा केरेडारी थाने का घेराव किया गया7 घेराव से पूर्व भुइयां समाज के कार्यकर्त्ता कृषि फॉर्म मैदान में एकत्रित हुए व रैली की शक्ल में केरेडारी थाना पहुंचे व कार्यक्रम धरना प्रदर्शन में तब्दील हो गया7 प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान पुलिस प्रशासन हाय हाय के नारे भी लगाये7 धरना प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने बारी बारी से अपने सम्बोधन में पुलिस प्रशासन के विरुद्ध आक्रोश व्यक्त किया तथा हत्या में संलिप्त सभी आरोपियों की गिरफ़्तारी व दोषियों को जल्द से जल्द सजा दिलवाने की मांग की7 प्रदर्शनकारियों का एक स्वर में कहना था की आखिर किसके दबाव में प्रशासन अपना दायित्व निर्वाहन नहीं कर पा रहा है7 सभी लोगों ने पुलिस प्रशासन से बाकि बचे हुए आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की है7 कार्यक्रम के बाद प्रदर्शन कारियों ने केरेडारी थाना प्रभारी साधन चन्द्र गोराई को लिखित मांगपत्र भी सौंपा है7 मौके पर अखिल भारतीय भुइयां समाज के प्रखण्ड अध्यक्ष शारदा ऋषि, बड़कागांव अखिल भारतीय भुइयां समाज के प्रखंड् अध्यक्ष प्रभु भुइयां हेमंत भुइया संजय भुइया युवा समाजसेवी शाहिद उर्फ सोनू नुनुलाल भुइयां,बिहारी पासवान,महेंद्र राम,रंजीत राम,बालेश्वर राम,बुचन भुइयां,दिलीप राम,महावीर राम,दीपक दास,संजय राम,रामचन्द्र राम,दिनेश राम सहित सैकड़ों महिला पुरुष मौजूद थे7

कोलारस के निखिल लोधी का जे एन यू दिल्ली में दाखिला

अरुण कुशवाह रिपोटर पुष्पांजली टुडे

कोलारस - खबर शिवपुरी जिले के कोलारस तहसील के जगतपुर ग्राम के निवासी निवासी ओबीसी

महासभा विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद नरेन्द्र सिंह लोधी के पुत्र निखिल लोधी का भारत की यूनिवर्सिटी प्रवेश मिला। दाखिले की खबर मिलने पर निखिल लोधी औऱ उनके माता पिता सभी प्रियजनों एवं शुभचिंतकों ने निखिल को बधाई दी औऱ उज्ज्वल भविष्य की कामना की

पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि अर्पित की

नेताजी स्व मुलायम सिंह के बताए मार्ग पर चलना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि - बौहरे

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री नेताजी मुलायम सिंह यादव के निधन पर शुक्रवार को सदर बाजार अटेर में समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव पूर्व विधानसभा प्रत्याशी बीके बौहरे द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें अंचल के सैकड़ों किसानों ने धरतीपुत्र के रूप में विख्यात किसानों के मसीहा मुलायम सिंह यादव को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की मुख्य अतिथि के रुप में पधारे समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष नीरज यादव ने नेताजी को श्रद्धां सुमन अर्पित करते हुए कहा कि नेताजी मुलायम सिंह यादव एक व्यक्ति नहीं विचार थे हमें उनकी विचारधारा को जन जन तक ले जाना होगा विशिष्ट अतिथि सपा नेता राजेश्वर यादव ने मुलायम सिंह यादव के रक्षा मंत्री के कार्यकाल में शहीदों के हित में उनका पार्थिव शरीर सम्मान घर पहुंचाने के फैसले को एक ऐतिहासिक फैसला बताया कार्यक्रम आयोजक बी के बौहरे ने कहा नेता जी के निधन पर सैफई में इकट्ठा हुए जनसैलाब ने यह सिद्ध कर दिया है कि नेताजी कितने महान थे हम सबको नेताजी के बताए हुए मार्ग पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी शोकसभा का संचालन देवराज यादव द्वारा किया गया श्रद्धांजलि सभा के अंत में नेताजी की आत्मशांति हेतु 2 मिनट का मौन धारण किया गया। इस अवसर पर राकेश यादव, संजय पुरोहित श्यामसुंदर यादव, मुरारी लाल आज्ञाराम यादव, बबलू दीक्षित ,सत्यदेव यादव शिवकुमार दीक्षित ,हरिमोहन यादव, रघुनाथ पुरवंशी मदन बोहरे अहरोली काली पानसिंह यादव अरविंद मिश्रा, संतोष यादव ,लायक यादव रामबरन यादव परमाल सिंह नावलीहार, ब्रह्मजीत यादव ,पूर्व सरपंच रामकिशन कुशवाहा, बालकिशोर मिश्रा, श्रीराम यादव ,रामदुलारे नाथूराम शर्मा, अशोक यादव, दलबीर यादव इंदल यादव मुन्ना पुरवंशी, अयूब अली, जाहिद खान ,वीरे दीक्षित ,राजू सोनी, बंटी सोनी, हबीब खान, श्रीकृष्ण समाधिया सुनील चौधरी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

अधिकारी कर्मचारी, सेवानिवृत महासंघ ने मध्य प्रदेश शासन से केन्द्र के समान 38 प्रतिशत डी आर प्रदेश के पेंशनरो को दीपावली से पूर्व देने की मांग की

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। दिलीप मिश्रा उपाध्यक्ष कर्मचारी महासंघ से प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 20/10/22 को महासंघ के प्रतिनिधि मंडल ने माननीय वित्त मंत्री मध्यप्रदेश शासन श्री जगदीश देवड़ा जी से उनके कैम्प ग्वालियर के दौरान ज्ञापन देकर केन्द्र के समान प़देश के पेंशनरो को भी 38प़तिशत डी आर दीपावली से पूर्व दिए जाने की मांग की। प़तिनिधि मंडल ने चर्चा के दौरान यह कहा कि पेंशनरो को भी आर देने के लिए धारा 49सेक्शन6के तहत मध्यप़देश शासन छत्तीसगढ राज्य से सहमति को प़स्ताव भेजता है,जवकि उल्लखित धारा 49सेक्शन6मे ऐसा कोई प़ावधान नही है ।धारा49 सेक्शन 6केसंवंध में भारत सरकार ने अपने पत्र 2017मे यह देख किया है कि सहमति का प़ावधान धारा 49सेक्शन 6मे प़ावधान नही है। ।माननीय वित्त मंत्री जी ने पेंशनरो के डी आर के शीघ्र निराकरण का आश्वासन प़तिनिधि मंडल को दिया। प़तिनिधि मंडल में श्री बसंत पुरोहित संरक्षक पेंशनर महासंघ संघ मध्यप़देश, श्री भूदयाल पाठक विभाग प़मुख भारतीय मजदूर संघ जिला ग्वालियर एवं दतिया,पेंशनर महासंघ से अध्यक्ष अरुण कुमार शर्मा,सचिव के सी शर्मा,विवेक कुमार दीक्षित, राजकुमार गुप्ता विजय सिंह राठौर आदि प़मुख रहे।

अवैध फटाके भंडारण पर गोहद चौराहा पुलिस की दबिश

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश खरपुसे, एस डी ओपी गोहद सौरभ

कुमार के निर्देशन में दीपावली त्यौहार को देखते हुए अवैध विस्फोटक सामग्रीओं के भंडारण तब विक्रय पर लगातार कार्यवाहियां की जा रही है इसी कड़ी में थाना गोहद चौराहा पुलिस द्वारा देर रात्रि ग्राम सर्वा में पुरा में फटाखे बनाने व रखने वालो के घरों पर दबिश दी गई दबिश में अंगूरी पत्नी स्वर्गीय रुस्तम खां निवासी सर्वा के घर से अवैध रूप से भंडारित कर रखें फटाखे मिले जिनको रखने का लायसेंस नहीं होने पर फटाखो को जप्त कर विस्फोटक अधिनियम के तहत अपराध क्रमांक 251/22 दर्ज किया गया । दीपावली त्यौहार पर अवैध फटाखों के भंडारण व विक्रय पर रखी जा रही है सतत नजर थाना प्रभारी निरी रविंद्र शर्मा उप निरीक्षक उपेंद्र धाकड़ सहायक उपनिरीक्षक बाबू सिंह यादव आरक्षक तिलक, इंदर, रामकुमार ,मान की कार्यवाही ।

भिंड कोतवाली पर मृतक का शव रखकर धरना दिया

आरोपियों पर मुकदमा दर्ज करने का आश्वासन एवं मृतक के भाई को ?15000 की सहायता मिलने पर ही धरना खत्म किया गया

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजली टुडे

भिंड मौत थाना क्षेत्र के मकरेटा गांव के कल्याण जाटव पुत्र रामस्वरूप जाटव को 16 अक्टूबर को मकान का निर्माण करा रहे ठेकेदार की लापरवाही के कारण करंट लग गया। कल ग्वालियर जेएच में उसकी मृत्यु हो गई। इसकी खबर जैसे ही माकपा जिला सचिव मंडल के सदस्य राजेश शर्मा को मिली तो सैकड़ों की संख्या में लोग भिंड सर्किट हाउस पर एकत्र हुए। क्योंकि मामला भिंड सिटी कोतवाली थाने का था। पहले प्रशासनिक अधिकारियों से बात की गई तो टाला मटोली की स्थिति बनी। लेकिन जब मृतक के शव को कोतवाली के अंदर रखकर लोग धरने पर बैठ गए। इस मौके पर भिंड जिले के माकपा नेता अनिल दौनेरिया, डॉक्टर नदीम, सीटू जिला अध्यक्ष विनोद सुमन, नरेंद्र सेंगर, जनपद सदस्य राजकुमार जाटव, राकेश प्रजापति, सरपंच धर्मेंद्र कुशवाह आज पहुंच गए। इसके अलावा अन्य राजनीतिक दलों के नेता कांग्रेस जिला अध्यक्ष मान सिंह कुशवाह, गजराज सिंह भी मौके पर पहुंच गए। धरना स्तर पर बैठी माकपा नेता राजेश शर्मा ने कहा कि मध्य प्रदेश की सरकार और उसका प्रशासन गरीब विरोधी है। आज गरीब के साथ घटना हुई है तो टाला मटोली की जा रही है। यदि यही घटना किसी नेता या बड़े आदमी के साथ होती तो भिंड से लेकर भोपाल तक सरकार हरकत में आ जाती। और द्ध.द्ध.हृ उसके घर पहुंचा दी जाती। माकपा नेता ने कहा कि फरियादी ने कहा है 16 अक्टूबर को कल्याण सिंह जाटव भिंड के बारड 29 में प्रतिदिन की तरह कारीगरी कर रहा था। तभी शाम को 4ः00 बजे ठेकेदार ने कहा कि एक पिलर और भर दो। तब कल्याण जाटव ने कहा कि वहां बिजली का तार लगा हुआ है। तब ठेकेदार और अन्य दो लोगों ने कहा कि उसमें करंट नहीं है। उनकी बातों का भरोसा करके कल्याण पिलर भरने के लिए ऊपर चढ़ा, तो बिजली का तार छूने से उसको करंट लग गया जिससे वह बेहोश हो गया। और 19 अक्टूबर को ग्वालियर जयारोग्य अस्पताल में उसने दम तोड़ दिया। कार्रवाई में टालमटोल करने वाला प्रशासन जब हरकत में आया सब नेताओं के साथ सैकड़ों लोगों ने मृतक के शव को कोतवाली थाने में रख दिया। और वहीं धरने पर बैठ गए। तब कहीं जाकर जिला प्रशासन की तरफ से भिंड तहसील दार ने रेड कुरोस पीड़ित परिवार को ?15000 की राशि उपलब्ध कराई। एवं आरोपियों पर एफ आई आर करने का आश्वासन दिया। प्रशासन द्वारा ठोस आश्वासन मिलने पर धरना फिलहाल स्थगित कर दिया गया। एवं माकपा नेताओं ने चेतावनी देते हुए कहा पीड़ित परिवार को ?1000000 की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए एवं आरोपियों पर मुकदमा कायम किया जाए। यदि प्रशासन कार्रवाई नहीं करता है तो हमें आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

प्रेम का प्याला

तू ना पढ़ सकेगा इस मन की इबारत को, इसमें शब्द नहीं भाव बोलते है 7

हम निगाहों की तराजू में शब्द तौलते हैं,शब्दों को तोल मोल कर बोलते हैं 7

मेहफिल में छाइ हो कितनी भी खामोशियाँ ,
हमारे दिल में दबे शब्द निगाहों से बोलते हैं 7

आह निकलती है ना दिल से कभी, चेहरे पर भावनाओं के असर बोलते हैं 7

होते नहीं हैं यहाँ सौदे दिलों के,
प्रेम के बाजार में हम बेभाव बिकते हैं
खरीददारों की हैसियत कुछ भी रही हो,
हम फकीरों की बोली में बोलते हैं 7
हमारे प्रेम की ऊंचाईयां गगन चूमती हैं,
हम प्रेम के प्याले में जहर पीते हैं,
हमारी खामोशियों में प्रलय सा शोर है
क्योंकि हम समय से आगे की सोचते हैं 7

- दिलीप मिश्रा, ग्वालियर,

दीपोत्सव-1 : धनतेरस कब मनाएं 22 या 23 अक्तूबर ?

शुभ खरीदारी के लिए त्रिपुष्कर और सर्वार्थ सिद्धि योग

-पं. घनश्याम शास्त्री

ग्वालियर।धनतेरस पर सोना-चांदी,आभूषण और बर्तन की खरीदारी करना बहुत ही शुभ माना गया है। इस बार दिवाली 24 अक्तूबर को मनाई जाएगी,लेकिन धनतेरस की तिथि को लेकर मतभेद बना हुआ है कि धनतेरस 22 या 23 अक्तूबर किस दिन मनाया जाए कार्तिक महीने की कृष्ण त्रयोदशी तिथि 22 अक्तूबर की शाम 06 बजकर 02 मिनट पर प्रारंभ हो रही हैं और अगले दिन यानी 23 अक्तूबर की शाम 06 बजकर 03 मिनट पर खत्म हो जाएगी सुप्रसिद्ध भागवत आचार्य पंडित घनश्याम शास्त्री महाराज ने बताया कि दिवाली हिंदूओं का सबसे बड़ा त्योहार माना गया है। दिवाली 5 दिनों तक मनाया जाने वाला पर्व होता है। धनतेरस से दिवाली महापर्व प्रारंभ हो जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार धनतेरस हर वर्ष कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है। धनतेरस को धन त्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि इस दिन देवताओं के वैद्य भगवान धन्वंतरि का जन्म हुआ था। धनतेरस पर सोना-चांदी,आभूषण और बर्तन की खरीदारी करना बहुत ही शुभ माना गया है। धनतेरस पर खरीदी गई चीजों में तेरह गुने की वृद्धि होती है, ऐसी पौराणिक मान्यताएं हैं। धनतेरस पर भगवान धन्वंतरि,भगवान कुबेर के साथ माता लक्ष्मी की पूजा होती है। इस दिन घरों में दीए जलाएं जाते हैं। इस बार दिवाली 24 अक्तूबर को मनाई जाएगी।

धनतेरस का पर्व हर वर्ष कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर मनाई जाती है। धनतेरस पर लक्ष्मी पूजा त्रयोदशी तिथि के दौरान प्रदोष काल में करने का विधान होता है। इस साल कार्तिक महीने की कृष्ण त्रयोदशी तिथि 22 अक्तूबर की शाम 06 बजकर 02 मिनट पर प्रारंभ हो रही हैं और अगले दिन यानी 23 अक्तूबर की शाम 06 बजकर 03 मिनट पर खत्म हो जाएगी फिर चतुर्दशी तिथि प्रारंभ हो जाएगी। हिंदू धर्म में कोई भी व्रत या त्योहार उदया तिथि के आधार ही मनाई जाती है। ऐसे में त्रयोदशी की उदया तिथि 23 अक्तूबर को है।

धनतेरस का महत्व शास्त्रों के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान भगवान धन्वंतरि कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी तिथि पर अपने हाथों में अमृत का कलश लेकर प्रगट हुए थे। इस कारण से हर वर्ष दिवाली के पहले धन त्रयोदशी के रूप में भगवान धन्वंतरि की जन्मदिन मनाया जाता है। इसदिन इनकी विशेष रूप से पूजा आराधना की जाती है। धनतेरस पर भगवान कुबेर और माता लक्ष्मी की पूजा करते हैं। और कुबेर यंत्र,श्रीयंत्र और महालक्ष्मी यंत्र को घर,मंदिर और प्रतिष्ठानों में स्थापित किया जाता है। धनतेरस के दिन सोने, चांदी के आभूषण,सिक्के और बर्तन की खरीदारी होती है। मान्यता है इस दिन खरीदारी करने से साल भर तक 13 गुने की वृद्धि होती है। इसके अलावा धनतेरस पर झाड़ू और धनिए के बीज की भी खरीदारी करते हैं। धनतेरस दिवाली का पहला दिन होता है। धनतेरस की शाम को घर के मुख्य दरवाजे और आंगन में दीये जलाए जाते हैं धनतेरस पर बना शुभ खरीदारी का त्रिपुष्कर और सर्वार्थ सिद्धि योग ।

इस बार धनतेरस पर त्रिपुष्कर और सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है। पंचाग के अनुसार अनुसार त्रिपुष्कर योग में शुभ कार्य करने पर उसमें तीन गुने की सफलता हासिल होती है जबकि सर्वार्थ सिद्धि योग को शुभ माना गया है क्योंकि इसमें सभी सिद्धियों का वास होता है। सर्वार्थ सिद्धि योग पर राहुकाल का भी असर नहीं होता और खरीदारी करना शुभ फल देने वाला होता है।सर्वार्थ सिद्धि योग 23 अक्टूबर को सुबह 6 बजकर 32 मिनट से आरंभ होगा और दोपहर 2 बजकर 33 मिनट पर समाप्त हो जाएगा। वहीं त्रिपुष्कर योग दोपहर 01 बजकर 50 मिनट से शाम 06 बजकर 02 मिनट तक रहेगा।

इधर , सावधानी जरुरी, घातक है धुआं

दिवाली पर पटाखों के पॉल्यूशन से कैसे बचें, डॉक्टर से जानिये खुद को सुरक्षित रखने के उपाय

दीपावली के त्यौहार पर पटाखों की धमाके से प्रदूषण का खतरा बड़ जाता है. पटाखों से निकलने वाला धुआं हमारे स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालता है खासकर बच्चों के लिए यह धुआं काफी खतरनाक होता है. जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी मनीष शर्मा ने कुछ सावधानियां रखने की अपील की है. मनीष शर्मा बताते हैं कि दीपावली के त्यौहार पर पटाखों से निकलने वाले धुएं से कैसे बचा जाए।

इन बातों का रखें ख्याल

- दीपावली के त्यौहार पर पटाखे चौड़ी और मैदानी जगह पर ही चलाएं.
- घर के अंदर पटाखे चलाने से परहेज करें.
- ज्यादा धुंआदार पटाखों को चलाने से बचें.
- पटाखे चलाते समय आसपास छोटे बच्चों को दूर रखें.
- पटाखे चलाते समय मास्क का उपयोग अवश्य करें.

सीधे हमारे फेफड़ों में धुआं

वहीं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा का कहना है कि ऐसे पटाखों का बहुत कम उपयोग करना चाहिए जो सबसे ज्यादा धुआं छोड़ते हैं. क्योंकि यह हमारे शरीर और बच्चों के लिए बेहद ही खतरनाक होते हैं. यह धुआं सीधे हमारे फेफड़ों में जाता है और लंग्स को पूरी तरह प्रभावित करता है. इसके कारण लग्स खराब होने की संभावना सबसे अधिक होती है, साथ ही जुखाम खांसी जैसी बीमारियां शुरू हो जाती है।

गोदाम में छुपाकर रखा 1575 किलो मावा जब्त

ग्वालियर से भोपाल ले जाना था, सैंपलिंग कर किया जब्त

ग्वालियर। दिवाली से पहले ग्वालियर-चंबल अंचल में मिलावटी-नकली मावा की आवक बढ़ गई है। खाद्य विभाग के अफसरों ने बाजारों और दुकानों पर नजर रखना शुरू की, तो हाइवे पर अवैध रूप से मावा के गोदाम तैयार हो गए हैं। शुक्रवार को तिघरा रोड झंडापुरा में गोदाम से प्रशासन ने भूसे में छुपाकर रखा गया 1575 किलो मावा जब्त किया गया है। यह मावा किसका है, कहां से आया, कहां भेजना है, किसी को कुछ नहीं पता। एक आयशर ट्रक चालक पुलिस को मिला है।

उसे यह मावा ट्रक में लोड कर ग्वालियर से भोपाल तक ले जाना था। भोपाल में कोई व्यापारी उससे खुद संपर्क कर यह माल डंप करा देता। मावा नकली होने की पूरी संभावना है। खाद्य विभाग ने मावा की सैंपलिंग कर जब्त कर लिया है।

दिवाली के त्यौहार में महज 2 दिनों का वक्त बाकी है, लेकिन मिलावटी मावे की सप्लाई मध्य प्रदेश के ग्वालियर चंबल संभाग से रुकने का नाम नहीं ले रही। शुक्रवार को ग्वालियर जिला प्रशासन ने कार्रवाई के तहत 1575 किलो मावा यानी कि 16 क्विंटल मावा जब्त किया है। यह मावा ग्वालियर से भोपाल भेजा जा रहा था। प्रशासन को सूचना मिली थी कि तिघरा रोड गुप्तेश्वर मंदिर के आगे झंडा का पुरा गांव में गोदाम बनाया गया है, जहां काफी मात्रा में मावा छुपाकर रखा गया है।

इसके बाद तिघरा रोड स्थित इस गोदाम पर छापामार कार्रवाई की गई है। इस दौरान दो लोग मिले, जो यह भी नहीं बता पा रहे हैं कि यह गोदाम किसके नाम पर है, मावा किसके नाम पर यहां लाया गया। बस इतना बता पा रहे हैं, उन्हें लोडिंग आयशर गाड़ी से ग्वालियर से भोपाल तक यह मावा लेकर जाने का आदेश मिला था। आदेश किससे मिला था यह भी नहीं बता पा रहे हैं। उन्होंने अपने एक मालिक का नाम बताया है, जिसने उन्हें यहां भेजा था।

खाद्य विभाग ने की सैंपलिंग

टीम को यकीन है कि मावा खाने योग्य नहीं है, क्योंकि मावा से अलग तरह की स्मैल आ रही है। खाद्य विभाग ने मावा के सैंपल लेकर जब्त कर लिया है। 24 घंटे के अंदर यदि कोई व्यापारी इस पर दावा कर दस्तावेज नहीं दिखाता है, तो इसे नष्ट करने की कार्रवाई की जाएगी।

भोपाल में पकड़ा गया था मावा

पता चला है कि 8 अक्टूबर को भोपाल में मावा पकड़ा गया था, जो कास्टिक सोडे से बनाया जा रहा था। उस मामले में भी दो लोगों के नाम सामने आए थे, जिनमें एक जबर सिंह नरवरिया और दूसरा राम सिंह बघेल थे। यह भी ग्वालियर-चंबल अंचल के बताए गए थे। इन पर भी एनएसए की कार्रवाई प्रस्तावित है।

अफसरों का कहना

एसडीएम व प्रभारी खाद्य विभाग अशोक चौहान ने बताया कि त्यौहार जितना नजदीक आता जा रहा है। हमारी टीम उतनी ही तेजी से कार्रवाई कर रही है। जहां अभी मावा पकड़ा गया है। यह पहला स्पॉट है, जब शहर के बाहर आउट में मावा का गोदाम बनाया गया था। सैंपलिंग कराकर मामले की जांच की जा रही है।

पीआईयू ने एक हजार बिस्तर का अस्पताल भवन मेडीकल कॉलेज को सौंपा

कमिश्नर दीपक सिंह ने अस्पताल भवन का लोकार्पण कराने के निर्देश दिए

ग्वालियर। ग्वालियर नगर में एक हजार बिस्तर का अस्पताल भवन बनकर तैयार हो चुका है। इस भवन को आज संभागीय कमिश्नर दीपक सिंह के समक्ष पीआईयू ने मेडीकल कॉलेज को हस्तांतरित किया। अस्पताल भवन पूर्ण रूप से बनकर तैयार हो चुका है तथा इसके शीघ्र लोकार्पण कराने के निर्देश संभागीय कमिश्नर दीपक सिंह ने पीआईयू एवं मेडीकल कॉलेज के अधिकारियों को दिए। बैठक में कमिश्नर द्वारा इस अस्पताल भवन की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में पीआईयू के मुख्य अभियंता श्री बी के आरख, गजराराजा मेडीकल कॉलेज के डीन डॉ. अक्षय निगम, जेएएच के संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक डॉ. आर के एस धाकड, उपायुक्त विकास शिवप्रसाद तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक में मेडीकल कॉलेज के डीन द्वारा बताया गया कि भवन बनकर तैयार हो चुका है एवं इसमें शिफ्टिंग का काम भी शुरू कर दिया गया है। अधिकांश सामान शिफ्ट किया जा चुका है। शेष सामान को भी कुछ दिनों में शिफ्ट कर दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि भवन के बड़े-बड़े अधिकांश कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा छोटे-छोटे कार्य शेष हैं जिन्हें शीघ्र पूर्ण करा लिया जायेगा। उन्होंने बताया कि भवन में पेयजल सप्लाई, लिफ्ट, फायर फाइटिंग, कंट्रोल रूम तथा विद्युत संबंधी कार्य पूर्ण हो गए हैं। लेकिन नगर निगम से नल कनेक्शन होना शेष है। कमिश्नर दीपक सिंह ने इस संबंध में नगर निगम कमिश्नर किशोर कान्याल से तत्काल फोन पर चर्चा कर जल प्रदाय का कनेक्शन शीघ्र कराने को कहा। इसी प्रकार पर्यावरण की अनुमति के लिये उन्होंने पीआईयू के मुख्य अभियंता को निर्देश दिए कि किसी अधिकारी को शीघ्र भोपाल भेजकर पर्यावरण की अनुमति ली जाए।

सफाई कार्य से जनता हुई खुश

वार्ड 27 में विधायक डॉ. सिकरवार के नेतृत्व में चला सफाई अभियान

सड़क का पेंच वर्क कार्य भी कराया गया

ग्वालियर। राष्ट्री य पिता महात्मा गांधी जी हमेशा स्वच्छ भारत का सपना देखते थे, वह चाहते थे कि हमारा देश भी साफ सुथरा रहे यह बात आज ग्वालियर पूर्व से कॉंग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने वार्ड क्रमांक 27 में सफाई अभियान के दौरान जनसमुदाय को संबोधित करते हुये कही। ग्वालियर पूर्व से कॉंग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार के नेतृत्व में आज वार्ड क्र. 27 के माल रोड मुरार से सफाई अभियान शुरू हुआ और वहां से चिक संतर, शंभुमल की बगीची, पीपल वाली गली क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान नालियां साफ कराई गई और जगह-जगह लगे कचरे के ढेर उठवाये गये। सुबह से दोपहर तक चले सफाई अभियान में चार ट्रॉली मलवा उठवाया गया। सफाई अभियान के दौरान जिन सड़कों पर गढ्ढे थे, उन सड़को का पेंच वर्क कार्य भी कराया गया। क्षेत्र के नागरिकों ने विधायक डॉ सिकरवार का इस दौरान पुष्पहारों से स्वागत किया। सफाई अभियान के दौरान क्षेत्रीय जनता ने भी सफाई कार्य में सहभागिता की। सफाई अभियान में मेयर इन कॉउसिल के स्वच्छता प्रभारी अवधेश कौरव, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद जैन, पार्षद अंकित कठठ्ल, बृजेश शुक्ला, रूपेश दुबे, प्रतीक जैन 'लालू', राहुल गुर्जर, सौरभ जैन, विशाल गौर, सुरेश जैन, अनुज राजपूत, सुनील चन्द्रवंशी समेत तमाम

व्यापारियों ने लिखा महापौर और मंत्री को पत्र

बिजली कटौती, गंदा पानी, जर्जर सड़कों सहित स्ट्रीट लाइट्स जल्द सही कराने की मांग

ग्वालियर। रोशनी का त्योहार दीपावली 24 अक्टूबर को है। सिर्फ तीन दिन शेष रह गए हैं। इसके बाद भी ग्वालियर शहर में लगातार हो रही विद्युत कटौती पर चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा कड़ी आपत्ति व्यक्त की है। इसके अलावा खुदी सड़कें, शहर में आता गंदा पानी व स्ट्रीट लाइट्सत पर नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रदेश के ऊर्जा मंत्री, महापौर और नगर निगम आयुक्त को पत्र लिखकर, विद्युत कटौती सड़क गंदा पानी को तत्काल रोके जाने की माँग की गई है।

इसी के साथ चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा कांग्रेस की नवनिर्वाचित महापौर डॉ. शोभा सिकरवार और नगर निगम आयुक्त किशोर कल्याण को पत्र लिखकर, शहर में विगत? 10-11 दिवस से निरन्तर शहरवासियों को मटमेले (गंदे) पानी की सप्लाई की समस्या से शहर के नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव पर ध्यान आकर्षित करते हुए, उक्त समस्या का तत्काल समाधान किए जाने की माँग की गई है। पत्र में शहर की जर्जर सड़कों की मरम्मत सहित स्ट्रीट लाईट की उचित व्यवस्था किए जाने की माँग भी की गई है।

मध्यप्रदेश चेंबर ऑफ कॉमर्स के मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल का कहना है कि दीपावली का त्यौहार व्यवसायिक दृष्टिकोण से इसलिए भी काफी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इस त्योहार पर इतना कारोबार होता है, जितना कि वर्ष भर में संभव हो पाता है। बावजूद इसके मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा शहर में लगातार बिजली की कटौती बगैर किसी कारण के की जा रही है, जिससे व्यवसायिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। शहर में प्रतिदिन की जा रही विद्युत कटौती से न केवल व्यापारियों बल्कि आमजन में भी काफी आक्रोश व्याप्त है। चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों ने ऊर्जा मंत्री से पुरजोर माँग की है कि शहर में निरन्तर हो रही विद्युत कटौती 'दीपावली' त्योहार को ध्यान में रखते हुए पूर्ण रूप से तत्काल बंद की जाए, ताकि शहरवासी, विशेष रूप से व्यापारीगण अपने-अपने प्रतिष्ठान पर उचित प्रकाश की व्यवस्था कर अपने कारोबार का सुचारू रूप से संचालन कर सकें।

सड़कों पर गड्?ढे व गंदा पानी से भी लोग परेशान

चेंबर ऑफ कॉमर्स ने इसी के साथ महापौर एवं आयुक्त, नगर-निगम को लिखे पत्रों में उल्लेख किया है कि अत्यन्त ही आश्चार्य का विषय है कि नगर-निगम, ग्वालियर अपने शहर के नागरिकों को आवागमन के लिए गड्ढा बिहीन सड़क व स्ट्रीट लाइट सहित सफाई की उचित व्यवस्था उपलब्ध कराने में असमर्थ होने के साथ-साथ

संक्षिप्त समाचार

बानमोर में हुई बारूट ब्लास्ट घटना के दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई होगी - श्री कुशवाह

ग्वालियर। उद्यानिकी व खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं मुरैना जिले के प्रभारी मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा है कि मुरैना जिले के बानमोर कस्बे में हुई बारूद ब्लास्ट की दुखद घटना की बारीकी से जाँच कर दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जायेगी। प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए बीट प्रभारियों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई है। श्री कुशवाह ने शुक्रवार को बानमोर पहुँचकर इस दुखद हादसे में मृत एवं घायल हुए लोगों से भेंट की। उन्होंने पीड़ित परिवारों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि आप सब पर आई इस दुखद घड़ी में सरकार आप सबके साथ है। सभी पीड़ित परिवारों की सरकार द्वारा हर संभव मदद प्रदान की जायेगी। ज्ञात हो बानमौर कस्बे में गुरूवार को हुए बारूद ब्लास्ट में 4 लोगों की मृत्यु हो गई थी। इस हादसे में घायल हुए 6 लोगों का ग्वालियर एवं मुरैना के अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

मिट्टी के दीपक एवं खिलौने बेचने वाले शिल्पियों को नगरीय निकाय जगह मुहैया कराएँ

कलेक्टर द्वारा आदेश जारी

ग्वालियर। मिट्टी के दीपक, खिलौने व सजावटी सामान बनाने एवं बेचने वाले परंपरागत माटी शिल्पियों (कुम्हार समुदाय) को नगर निगम सहित जिले के सभी नगरीय निकायों व हाट-बाजारों में जगह उपलब्ध कराएँ। दीपावली त्यौहार को ध्यान में रखकर कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने इस आशय का आदेश जारी किया है। कलेक्टर श्री सिंह ने आदेश में यह भी स्पष्ट किया है कि माटी शिल्पियों को न केवल बाजारों में उचित स्थान दिलवाएँ बल्कि उनसे किसी भी प्रकार के कर की वसूली न की जाए। श्री सिंह ने कहा है कि सरकार की मंशा के अनुरूप माटी शिल्पियों के उत्पादों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिले के लिये यह आदेश जारी किया गया है।

गुना जिले के मृतक किसान के परिवार को तात्कालिक रूप से 1.20 लाख की आर्थिक सहायता मंजूर

ग्वालियर। संभाग के गुना जिले की कुंभराज तहसील में एक दुखद घटना हुई है। कुंभराज की विपणन सहकारी संस्था से खाद लेने आए कृषक श्री रामप्रसाद कुशवाह कतार में खड़े थे तभी उन्हें चक्कर आए और वे जमीन पर गिर गए। प्रशासन द्वारा उन्हें तत्काल डायल 100 के जरिए अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने परीक्षण के उपरांत उन्हें मृत घोषित किया। मृत्यु का कारण हार्ट अटैक होना बताया गया है। जिला प्रशासन द्वारा मृतक के परिवार को तात्कालिक रूप से रेडक्रॉस एवं राष्ट्रीय परिवार सहायता मद से कुल एक लाख बीस हजार रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। गुना से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। साथ ही एनएफएल गुना एवं रैक के माध्यम से लगातार उर्वरकों की आपूर्ति हो रही है। गुना जिले में अब तक कुल 20 हजार 241 मैट्रिक टन डीएपी वितरित किया जा चुका है। वर्तमान में 833 मैट्रिक टन डीएपी उपलब्ध है। इसी तरह 45 हजार 227 मैट्रिक टन यूरिया खाद का वितरण किया जा चुका है और जिले में वर्तमान में 1573 मैट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है।

जिले की हर तहसील में मॉडल बतौर 5 - 5 गाँव समस्या विहीन बनाएँ : श्री कुशवाह

पात्र होने के बाबजूद यदि कोई किसान राहत से वंचित रहा तो राजस्व अधिकारी होंगे जवाबदेह

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने एसडीएम एवं तहसीलदारों की बैठक लेकर की राजस्व गतिविधियों की समीक्षा

ग्वालियर। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा है जिले की सभी तहसीलों में 5 - 5 गाँव चिन्हित कर वहाँ विशेष अभियान चलाकर राजस्व सहित अन्य विभागों की समस्याओं का निराकरण करें और इन्हें मॉडल बतौर समस्या विहीन गाँव बनाएँ। श्री कुशवाह शुक्रवार को जिले के एसडीएम, तहसीलदार व नायब तहसीलदार एवं कृषि विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक में राजस्व गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने राजस्व अधिकारियों से यह भी कहा कि बीते दिनों हुई अतिवृष्टि से प्रभावित फसलों का सही-सही आंकलन करें। यदि राजस्व पुस्तक परिपत्र के प्रावधानों के अनुसार नुकसान के आधार पर राहत के लिए पात्र होने के बाबजूद कोई किसान छूटा तो संबंधित राजस्व अधिकारी जवाबदेह होंगे।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि व मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना, नामांकन, सीमांकन व बटवारा का कोई भी प्रकरण गाँव में लंबित नहीं रहना चाहिए। इसी तरह अन्य विभागों की समस्याओं का निराकरण भी अभियान बतौर करें।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री एच बी शर्मा, एसडीएम डबरा श्री प्रखर सिंह, झाँसी रोड़ श्री सी बी प्रसाद, मुरार श्री अशोक चौहान व एसडीएम मुरार ग्रामीण श्रीमती पुष्पा पुषाम, उप संचालक कृषि श्री एम के शर्मा व जिले की विभिन्न तहसीलों के तहसीलदार व नायब तहसीलदार मौजूद थे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478